डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2024- 26
ई-पेपर www.guruexpress.live

बात आपकी, शब्द हमारे

गुरु एक्सप्रेस

सुबह का अखबार

संपादक – आशुतोष नवाल

वर्ष 19 | अंक 29 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 11 नवम्बर 2024 | मूल्य 2 रुपया

हिस्से-पाती की बात पर वृद्धा को पीटा, तीन पर मामला दर्ज

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। हिस्से-पाती की बात और फसल हांकने को लेकर हुए विवाद में आरोपियों ने वृद्धा के साथ मारपीट की। पुलिस ने 3 आरोपियों पर मामला दर्ज किया है।

वायडी नगर पुलिस के अनुसार मामला ऋषियानंद कुटिया के पास का है। कुमावत धर्मशाला के पास नरसिंहपुरा मंदसौर निवासी लक्ष्मीबाई पति स्व. रामचंद्र मेरांडया कुमावत उम्र 70 साल ने रिपोर्ट दर्ज करवाई कि श्रीनाथ विहार निवासी विनोद कुमावत, 500 क्वार्टर निवासी रमेश कुमावत, नरसिंहपुरा निवासी कैलाश कुमावत ने खेत की फसल हांकने, हिस्से-पाती की बात को लेकर उसके साथ मारपीट की व जान से मारने की धौंस दी। पुलिस ने विभिन्न धाराओ में मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

कांग्रेस और वामपंथ, एक सिक्के के दो पहलू...

एक कहानी यूं तो मार्मिक अर्थ वाली है, लेकिन आज की बात के संदर्भ में उसे परिवर्तित नजरिए से भी समझा जा सकता है। एक अंधे को भीख मांगने के लिए रोज सड़क पार करना होती थी। उसे किसी बच्चे का सहारा मिला। अंधा रोज बच्चे के सिर पर हाथ रखता और दोनों सड़क पार कर लेते। एक दिन भिखारी की मौत हो गई तो वह बच्चा यह कहकर बिलख उठा कि अब उसे कौन सिर पर हाथ रखकर सड़क पार करवाया करेगा?

प्रकाश भटनागर

हो ऐसा ही रहा है। बात बिलखने की ही नहीं, विलाप करने वाली है। मामला कांग्रेस और कम्युनिस्टों का है। तो पहले बात समझ लें। केरल में वामपंथी सरकार के धुर वामपंथी मुख्यमंत्री पिनराई विजयन का आरोप है कि कांग्रेस नेता प्रियंका वाड्रा वायनाड सीट पर उपचुनाव में विवादित संगठन जमाते-इस्लामी की मदद ले रही हैं। विजयन ने इस के साथ ही यह भी याद दिलाया है कि इस संगठन ने जम्मू-कश्मीर में चुनाव प्रक्रिया का विरोध किया था। तो यही विलाप हंसने के लिहाज से भरपूर मसाला प्रदान कर रहा है। विजयन कांग्रेस के लिए जिस मार्ग पर चलने का आरोप लगा रहे हैं, वहां तक उनकी अपनी पार्टी ही तो इस दल को लेकर आई है।

देश की स्वतंत्रता के बाद से आज तक कांग्रेस खुद की विचारधारा के लिहाज से बेहद फटेहाल रही है। जवाहरलाल नेहरू के समय से लेकर अब तक वामपंथियों ने इस पार्टी की ऐसी वैचारिक बदहाली का जमकर फायदा उठाया। ऐसे अनेक लोग इस दल पर समय-समय पर हावी रहे, जिनकी जुबान पर भले ही कांग्रेस का मंत्रोच्चार होता हो, लेकिन उनके दिल की धड़कन 'कॉमरेड' और 'लाल सलाम' वाले तराने ही सुनाती है। ऐसा राजीव गांधी के जमाने तक होता रहा और अब राहुल राज में तो वामपंथियों ने कांग्रेस पर इस कदर कब्जा कर लिया है कि वर्तमान में कई बार इस पार्टी और वामपंथियों के बीच अंतर कर पाना भी मुश्किल जान पड़ता है। असल में जिन वामपंथियों को कांग्रेसी सत्ता प्रतिष्ठान में मलाई खाने की आदत लग चुकी थी, वे पिछले दस सालों से लगभग तड़फड़ा रहे हैं। वामपंथियों को अब ये भी समझ में आ गया है कि कभी तीन राज्यों की सत्ता में रही उनकी पार्टियां अब केरल तक सिमट कर रह गई है। देश में उनकी स्वीकार्यता कभी रही नहीं। पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव और मनमोहन सिंह की आर्थिक नीतियों ने देश में उनकी उपस्थिति लगभग खत्म ही कर दी है। ट्रेड यूनियनों और उनकी हड़तालों का दौर देश में बीत चुका। इसलिए सत्ता तक उनकी पहुंच का रास्ता अब कांग्रेस के कंधों पर सवार होकर ही बन सकता है। लिहाजा वैचारिक और संगठन के तौर पर कंगाल हो चुकी कांग्रेस अब वामपंथियों के कब्जे में है। राहुल गांधी वही भाषा बोल रहे हैं जो उनके वामपंथी गुरू उन्हें सिखाते हैं।

तो अब यह थोड़ा मुश्किल है कि इन दो दलों में से किसे शुरू की कहानी का अंधा भिखारी और किसे नादान गरीब बच्चा कहा जाए। लेकिन, यह जरूर कहा जा सकता है कि अपने-अपने सियासी रास्ते तय करने के लिए कांग्रेस और वामपंथियों के बीच इस कहानी के इन दो चरित्रों जैसा तालमेल सामने दिख रहा है। वामपंथी केरल से बाहर अपना जनाधार बढ़ाने के लिए कांग्रेस का इस्तेमाल कर रहे हैं। कांग्रेस को भाजपा से मुकाबले के लिए इस पंथ के लोगों की आवश्यकता है। इसके लिए सिद्धांत-विहीन राजनीति ने उस समय गति पकडी, जब आंख मूंदकर मुस्लिम तुष्किरण की राजनीति को अपनाए रखा। बीच में कुछ समय के लिए जरूर राहुल गांधी के कोट के उप्पर लटकते तथाकथित जनेऊ के माध्यम से इस दल ने अपने दिल को बदलने का दिखावा किया, लेकिन वामपंथ ने जल्दी ही उस जनेऊ से निजात दिलाकर राहुल गांधी को जातिगत जनगणना में झोंककर बहुसंख्यक समुदाय में विभाजन वाली मानसिकता को लाल सलाम कहने के रास्ते पर खडा कर दिया। अब वाकई में जो कांग्रेसी हैं, वे भी समझ नहीं पा रहे हैं कि आखिर पचास साल की सत्ता में कांग्रेस ने जातिगत जनगणना पर विचार क्यों नहीं किया? राहुल गांधी से सोचने समझने की उम्मीद का तो सवाल ही नहीं उठता।

वायनाड को लेकर विजयन की कांग्रेस से क्या खुन्नस है, यह तो वे खुद ही जानते होंगे। लेकिन, वाड्रा पर लगाए उनके आरोप ने एक बार फिर दिखा दिया है कि वामपंथी विचारधारा किस कदर दोगलेपन की शिकार है। जमाते-इस्लामी को अचानक कोस रहे विजयन उसी विचारधारा में सरापा सने हुए हैं, जिसके पुरजोर समर्थकों ने कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटने का विरोध किया। जिन्होंने कश्मीर जाकर अलगाववादी नेताओं के आगे सजदे किए। जो धर्म के विरोध की आड़ में केवल बहुसंख्यक समाज को निशाना बनाते हैं। आज यदि इन्हीं लोगों को जमाते-इस्लामी में कोई खराबी दिख रही है तो फिर इसे घोर स्वार्थ वाली सियासत से अधिक और कुछ नहीं कहा जा सकता। उन कांग्रेसियों के लिए भी क्या कहा जा सकता है, जो सिर्फ इसलिए पार्टी में हाशिए पर हैं कि वो दिल से सच्चे कांग्रेसी हैं। और आज की कांग्रेस में मुख्य धारा का आनंद वो ले रहे हैं, जो वामपंथ को अपना मूल मंत्र मानकर चलते हैं। ऐसे हालात में समय आ गया है, जब दिवंगत देवकांत बरुआ को याद कर उनके एक कथन को थोडा परिवर्तित कर कह दें कि ' कांग्रेस ही वामपंथ है, वामपंथ ही कांग्रेस।'

शिकायतें बयां कर रही हाल-ए-सफाई व्यवस्था

करोड़ों खर्च करने के बाद भी बीमारियों को कर रहे वेलकम

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। करोड़ो रुपया नगर पालिका सफाई व्यवस्था पर खर्च कर रही है। इधर डेंगू-मलेरिया जैसी बीमारियों से निपटने के लिए कचरा वाहन की गाड़ी सहित अन्य तरीकों से जागरुकता का पाठ पढ़ा रही है। लेकिन, खुद जागरुक होने का नाम नहीं ले रही। हम बात कर रहे है सफाई व्यवस्था की। सफाई व्यवस्था की स्थिति सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें बयां कर रही है। पिछले एक डेढ़ माह से डेंगू जैसी बीमारियां सक्रिय है। इधर अक्टूबर माह में सबसे ज्यादा शिकायतें सफाई व्यवस्था को लेकर हुई। औसत दो शिकायतें रोजाना शहर के लोगों ने की। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि नगरपालिका के जिम्मेदार सफाई व्यवस्था को लेकर कितने गंभीर है। विशेषकर तब जब डेंगू जैसी खतरनाक बीमारी पैर पसारे बैठी हुई है।

बेपटरी होती सफाई व्यवस्था के कारण बाजार व रहवासी क्षेत्र से समय पर कचरा भी नहीं उठ रहा है और ना ही नगर पालिका अपने ही लगाए गए डस्टबिन को समय पर खाली कर पा रही है। गंदगी की भरमार के कारण मच्छरों की संख्या बढ़ रही है तो सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायतों का ग्राफ बढ़ रहा है। अक्टूबर माह में सफाई को लेकर औसत दो शिकायत हर दिन शहरवासियों ने की। स्वच्छता सर्वेक्षण में शहर को अव्वल लाने के नपा के दावों के बीच नियमित सफाई व्यवस्था भी ठीक से नहीं हो पा रही है। शहर के यही हाल है तो ट्रेंचिंग ग्राउंड में भी अव्यवस्थाओं का अंबार है। जहां हर दिन शहर का कचरा पहुंच रहा है। निष्पादन तो दूर यहां साढ़े तीन करोड़ में काम लेने वाली कंपनी ने कुछ दिन काम करने के बाद बंद किया तो कई महीने बीतने के बाद भी काम शुरू नहीं किया और नपा अब तक पत्र ही लिख रही है। एक ओर शहर में बीमारियों का ग्राफ बढता जा रहा है। डेंगू से लेकर चिकनगुनिया के साथ वायरल का दौर चल रहा है। इस कारण रोगियों की संख्या में इजाफा हो रहा है। बढ़ती बीमारियों के बीच नपा की लचर सफाई व्यवस्था के चलते शहर में मच्छरों की भरमार है, यह समस्या कॉलोनी क्षेत्र मे अधिक है।

साठ शिकायतें स्वच्छता शाखा की...

सीएम हेल्पलाइन में अक्टूबर माह में ही 247 शिकायतें आम लोगों ने की है। इसमें 60 शिकायत स्वच्छता शाखा की है। जिसमें सफाई व्यवस्था नहीं होने और मच्छरों से परेशानी बताई है। यानी गंदगी के कारण औसत पूरे माह हर दिन दो शिकायत लोगों ने सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज कराई। वहीं 63 शिकायतें बिजली शाखा की है। जिसमें स्ट्रीट लाइट नहीं जलने के कारण अंधेरा होने की शिकायत है। 22 शिकायते शहर में श्वान और निराश्रित मवेशियों के कारण हो रही समस्याओं को लेकर है।

वारंटियों पर गंभीर नहीं रहने वाले पुलिस कर्मियों पर सख्त कप्तान

पुलिस कप्तान ने की समीक्षा, कहा- गंभीरता नहीं दिखाई तो होगी कार्रवाई

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। एक दिन पहले सीएम हेल्पलाइन की शिकायत पर महाशिविर लगाकर सुनवाई करने वाले पुलिस कप्तान अभिषेक आनंद ने रविवार को न्यायालय समन्स और वारंटो की तामिल को लेकर संबंधित पुलिसकर्मियों की बैठक ली। उन्होंने साफ कहा कि न्यायालय वारंट पर गंभीर नहीं रहने वाले पुलिसकर्मियों ने यदि गंभीरता नहीं दिखाई तो उन पर सख्त कार्रवाई होगी।

पुलिस कंट्रोल रूम पर न्यायालय से प्राप्त समंस, वारंट के शत प्रतिशत तामीली के संबंध में मंदसौर के समस्त थानों पर तैनात समंस तथा वारंट मुंशी व चलानी मुंशी तथा न्यायालय में कोर्ट कार्य करने वाले कोर्ट मोहर्रीर की मीटिंग ली गई। कार्यो की समीक्षा कर न्यायालय से जारी होने वाले ऑनलाइन तथा ऑफलाइन दोनों ही पद्धति में जारी समंस/वारंट के निष्पादन हेतु समझाईश देकर विशेष दिशा निर्देश दिए गए। इसी तारतम्य में जिन थानों के द्वारा निष्पादन में रुचि नहीं ली जा रही है उन्हें चेतावनी भी दी गई। साथ ही वर्ष के अंतिम समय होने से लंबित चालान समयावधि में न्यायालय पेश करने हेतु एवं खात्मा व खारजी प्रकरण स्वीकृत कराये जाने हेतु निर्देशित किया गया। समंस तथा वारंट निष्पादन में कोर्ट में चालान पेश करने में तथा खात्मा खारजी न्यायालय में स्वीकृति में आने वाली समस्याओं के बारे में भी विस्तृत चर्चा कर समुचित समाधान किया गया।

पुलिस कप्तान श्री आनंद की अध्यक्षता में आहूत उक्त बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर गौतम सोलंकी तथा डीसीआरबी शाखा प्रभारी एएसआइ कमल सिंह राठौर, सीसीटीएनएस प्रभारी प्रआर राकेश यादव एवम जिले के समस्त थानों में पदस्थ समंस वारंट व चालानी मुंशी तथा न्यायालय में पदस्थ कोर्ट मोहरीर उपस्थित रहे।

मामला संबल के पात्र विद्यार्थियों को शुल्क में छूट का...

गलती स्कूलों की, विद्यार्थी हो रहे परेशान

माशिमं के निर्देश, 22 नवंबर तक कार्यवाही पूरी की जाए

भोपाल, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सरकार ने संबल योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को मप्र 10वीं-12वीं बोर्ड के परीक्षा शुल्क से छूट दी थी। इसके तहत दो लाख विद्यार्थियों को शुल्क में छूट का लाभ मिलना था। लेकिन, माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) ने परीक्षा शुल्क लेते समय छूट का कोई विकल्प ही नहीं दिया। इस कारण विद्यार्थियों को पूरी फीस भरनी पड़ी।

इस संबंध में मंडल ने स्कूलों के प्राचार्यों कों दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इसमें निर्देशित किया गया है कि मप्र बोर्ड 10वीं व 12वीं परीक्षा के आवेदन एमपी आनलाइन पोर्टल से भरे जाते हैं। मंडल को अनेक स्कूलों से जानकारी मिली है कि उनके स्कूल के संबल योजना के पात्र विद्यार्थियों को मिलने वाली फीस छूट का लाभ त्रुटिवश उनके द्वारा नहीं लिया गया है। अब मंडल ने दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि संबल के पात्र विद्यार्थी शुल्क वापस चाहते हैं, उनके लिए प्रक्रिया का निर्धारण कर दिया गया है। इसके लिए सबसे पहले एमपी आनलाइन पोर्टल पर वर्तमान में उपलब्ध संशोधन सुविधा का उपयोग करते हुए पात्र विद्यार्थियों के लिए संबल योजना के तहत शुल्क छूट का विकल्प का चयन करेंगे। इसके बाद पात्र विद्यार्थियों के संबल कार्ड अपलोड करेंगे। यह कार्यवाही 22 नवंबर तक पूरी की जाएगी। बता दें, कि अब तक दो लाख विद्यार्थियो को शुल्क में छूट का लाभ मिलना था, लेकिन नहीं मिल पाया है। मंडल द्वारा परीक्षा और नामांकन फीस में संबल योजना के तहत विद्यार्थियों को शुल्क में छूट की सुविधा दी गई है।

बता दें कि संबल योजना के पात्र विद्यार्थियों का डाटा संबंधित संभागीय कार्यालय के लागिन में उपलब्ध कराया जाएगा। संबंधित संभागीय कार्यालय प्रत्येक विद्यार्थी के अपलोड किए गए सबंल कार्ड के आधार पर उन्हें शुल्क छूट के लिए पात्र / अपात्र आनलाइन दर्ज करेंगे। यह प्रक्रिया संभागीय कार्यालय द्वारा तीन दिसंबर तक पूरी की जाएगी। इसके बाद संभागीय कार्यालय द्वारा संबल छूट के लिए पात्र अभ्यर्थियों की राशि को संबंधित जिले की समन्वय संस्था को अंतरित की जाएगी। 10 दिन के अंदर विद्यार्थियों के खाते में भेज दी जाएगी।

उत्साह से मनाया गई आंवला नवमी, वृक्ष को पूजा

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। रविवार को आंवला नवमी का त्यौहार पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। उल्लेखनीय है कि कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की नवमी 'आंवला नवमी' के रूप में मनाई जाती है। रविवार को मंदसौर शहर सहित अंचल में महिलाओं ने अखंड सौभाग्य, आरोग्य, संतान और सुख समृद्धि की कामना को लेकर आंवला वृक्ष का पूजन किया।

महिलाओं ने व्यंजनों, ऋतु फल और मिठाई, पूजन सामग्री के साथ विधि-विधान से पूजा अर्चना की। इस दौरान सूत का धागा आंवले के पेड़ से लपेटकर परिक्रमा लगाई और परिवार की सुख-शांति, खुशहाली और समृद्धि की कामना की। महिलाओं ने बताया कि मान्यता के अनुसार इस व्रत को करने से कई जन्म संवर जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवले की उत्पत्ति हुई थी। यह विष्णु भगवान और माता लक्ष्मी का प्रिय वृक्ष है। इसलिए, इस दिन को आंवला के वृक्ष की पूजा से त्रिदेव ब्रह्मा-विष्णु-महेश के साथ ही माता लक्ष्मी की भी अपार कृपा प्राप्त होती है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष को आंवले के वृक्ष की पूजा अर्चना करने और आंवले के पेड़ के नीचे भोजन पकाकर खाने और दान पुण्य करने से अक्षय आयु, निरोगी काया की प्राप्ति होती है। आंवला नवमी को अक्षय नवमी के रूप में भी जाना जाता है। इसलिए इस दिन पूजन अर्चन का विशेष महत्व है।

नवकार गोल्ड कालोनी में चोरी, हजारों का सामान ले गए बदमाश

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। वायडी नगर थाना क्षेत्र के नवकार गोल्ड कॉलोनी में शनिवार रात अज्ञात बदमाशों ने एक घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया। इस दौरान परिवार एक शादी समारोह में शहर से बाहर गया हुआ था। बदमाशों की फुटेज कॉलोनी में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस इसी आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।

जानकारी के अनुसार शहर के नवकार गोल्ड कॉलोनी निवासी अजय पारवानी और उनकी पत्नी रुक्मणि पारवानी उदयपुर विवाह समारोह में गए थे। रविवार की सुबह जब दंपती वापस लौटे तो घर का ताला टूटा हुआ पड़ा था। अंदर जाकर देखा तो पूरे घर का सामान अस्तव्यस्त पड़ा था। इसके बाद वाईडी नगर पुलिस को सूचना दी गई।

मामले में पुलिस ने चोरी की शिकायत दर्ज की है। पीड़ित अजय पारवानी ने बताया कि वे शहर से बाहर गए थे। आज वापस आए तो दरवाजा खुला था और ताला नीचे पडा था। घर से करीब 35 हजार रुपए के समान की चोरी हुई है। इसमें बदमाश 30 चांदी के सिक्के और 17 हजार रुपए नगद चुरा ले गए। कॉलोनी में लगे सीसीटीवी फुटेज में मुंह पर कपडा बांधे 3 बदमाश दिखाई दे रहे है। अब पुलिस इसी आधार पर बदमाशों की तलाश कर रही है।

सरकारी स्कूलों का लगातार बंद होते जाना देश की बढ़ती आबादी को निरक्षर बनाएगा...

मंदसौर/उज्जैन, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। देशभर में सरकारी स्कूलों के बंद होते रहने के समाचार लगातार ही समाचार पत्रों और अन्य एजेंसियों द्वारा जारी आंकड़े सतह पर सार्वजनिक करते रहते हैं। यूनिफाइ डिजिटल इनफॉरमेशन आन स्कूल एजुकेशन संस्था जिसने अपनी रिपोर्ट में बताया कि देशभर में 50 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद हो चुके हैं। जबकि, दुनिया भर में भारत की जनसंख्या सबसे अधिक 140 करोड़ तक पहुंच चुकी है। सरकारी एजेंसियां जरूर भारत को विकसित देशों की श्रेणी में बताती आई है पर ऐसा होता तो सरकारी स्कूलों के बंद होने के आंकड़े प्रतिवर्ष अधिक होने की बजाय घटने लगते। स्कूलों के बंद होने के आंकडे के साथ 80 करोड नागरिकों को प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज दिए जाने जैसे सरकारी आंकड़ो के आधार पर ही विवश है यह मानने को की भारत अभी विकसित देशों की श्रेणी में नहीं गिना जा रहा है!

चन्द्रमोहन भगत

यू डि आई एसए ने अपनी रिपोर्ट 2018-19 में बताया कि देश में 50 हजार से अधिक सरकारी स्कूल बंद किए जा चुके हैं। हरियाणा में 2 साल पहले 292 स्कूल बंद किए गए थे, मध्य प्रदेश में 4 साल पहले 12 हजार 876 स्कूल बंद हो गए थे। वर्ष 2018-19 में मध्य प्रदेश में 1 लाख 22 हजार 56 स्कूल थे। वर्ष 2020 में घटकर 99 हजार 152 रह गए थे, याने 22 हजार 904 कम हो गए थे। इसी तरह देश भर में 2018-19 में 10 लाख 83 हजार 678 स्कूल से घटकर 2019-20 में 10 लाख 32 हजार 570 रह गए थे। यानी देश भर में 51 हजार 108 स्कूल कम हो गए थे। यह देश के बीच कैसा विकास कर रहे हैं, जो बौद्धिक जगत के लिए चिंता का विषय है। एक तरफ हम दुनिया की सबसे अधिक आबादी वाला देश बन गए हैं तो दूसरी तरफ नागरिको के अधिकार वाले शैक्षणिक जगत में हम तेजी से पिछडते जा रहे हैं। यह आंकड़े यूडीआइएसए साक्षरता विभाग की सबसे बड़ी प्रबंधन सूचना प्रणाली ने जारी किए हैं। 14 लाख 79 हजार स्कूलों में 95 लाख शिक्षकों द्वारा 26.5 करोड बच्चों को कवर किया जाता है। इनमें उन 49.2 लाख महिला शिक्षक है।

वर्ष 2022 तक सरकारी स्कूलों की संख्या 14 लाख 89 हजार 115 थी, 2021-22 में यह जनगणना मुताबिक 10 लाख 22 हजार 386 सरकारी और 3 लाख 35 हजार 844 प्राइवेट स्कूल संचालित हो रहे हैं। जब दुनिया भर के देशों में प्रगति के लिए शिक्षा के स्तर और संचालन को सरकार अपने नियंत्रण में रख कर शिक्षा को देश की प्रगति का आधार बनाती है। वहीं भारत में सरकारी स्कूलों की संख्या लगातार ही घटते जा रही है। यह सर्वविदित है कि भारत में 70 प्रतिशत नागरिको की प्रति व्यक्ति आय इतनी कम है कि परिवार के सदस्यों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध नहीं करा सकते हैं। ऐसे में अगर शिक्षा के लिए सरकारी स्कूल इसी गति से बंद होते रहे तो आने वाले समय में देश की साक्षरता का आंकड़ा भी रुपए की अंतरराष्ट्रीय कीमत की तरह गिरने लगेगा!

समय रहते अगर देश के नागरिकों का शैक्षणिक स्तर सुधारने पर सरकार और एजेंसियों ने ध्यान नहीं दिया तो भविष्य में देश के साथ भारतीयों की मांग सिर्फ कामगार श्रेणी के लिए होने लगेगी। और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वर्तमान में जो भारत वासियों की व्यवसाय जगत में शैक्षणिक योग्यता के कारण साख है वह भी घटने लगेगी। सामान्यत: वर्तमान दौर में भी सभी जानते हैं कि सरकारी स्कूलों की साख सरकारों के असहयोग के कारण ही निम्न स्तरीय होती जा रही है। इसलिए भारतीय शिक्षा जगत का भविष्य कैसा होगा अंदाज लगाया जा सकता है..।

विचार-मंथन

महंगाई के जाल में फंसी थाली...

अर्थव्यवस्था के चमकते आंकड़ों की खबरें सबको अच्छी लगती हैं, लेकिन अगर इस चकाचौंध के बीच बहुत सारे लोगों को खाने-पीने के सामान में भी कटौती करनी पड़े, तब यह सोचने की जरूरत है कि आर्थिक विकास के दावों के दायरे में कौन है! अन्य जरूरी सामान के साथ-साथ खाद्य पदार्थों की चढ़ी हुई कीमतों ने पहले ही आम लोगों की रोजमर्रा की जरूरतों को प्रभावित करना शुरू कर दिया था, लेकिन इस बीच पिछले कई महीनों से सब्जियों के दाम लगातार इस स्तर पर बने हुए हैं कि लोगों की थाली से सब्जियां भी गायब रहने लगी हैं। मुश्किल सिर्फ सब्जियों तक नहीं सिमटी है। इसका असर दूसरे खाद्य पदार्थों पर भी पड़ा है और अनाजों की खरीदारी के वक्त भी लोगों को अब थोड़ा रुक कर सोचना पड़ जाता है। गौरतलब है कि बुधवार को जारी एक एजंसी की ताजा रपट के मुताबिक शाकाहारी थाली की कीमत में एक वर्ष पहले की समान अवधि की तुलना में बीस फीसद तक की बढ़ोतरी हो गई है। दरअसल, कम आय वर्ग के लोगों के लिए पिछले कई महीनों से खाने-पीने का सामान सहजता से खरीदना मुश्किल ही था। मगर अब स्थिति यह हो गई है कि ऐसे लोग अक्सर दिख जाते हैं, जो बाजार में सब्जियों की कीमतें पूछते हैं और बिना खरीदे मायूस मन के साथ आगे बढ़ जाते हैं। रपट के मुताबिक, अक्तूबर में प्याज की कीमतें सालाना आधार पर छियालीस फीसद बढ़ीं, जबकि आलू के दाम में इक्यावन फीसद का इजाफा हुआ। इसी तरह, टमाटर के भाव उनतीस रुपए प्रति किलोग्राम से आगे बढ़ते हुए एक वर्ष पहले की समान अवधि के मुकाबले चौंसठ रुपए प्रति किलोग्राम हो गए। टमाटर सौ रुपए प्रतिकिलो या इससे ज्यादा भाव पर भी बिका। अन्य कई हरी सब्जियां भी आमतौर पर अस्सी या सौ रुपए प्रति किलो बिक रही हैं। भोजन की थाली में सब्जियां एक तरह का संतुलन बनाती हैं। अब इनके लगातार महंगे बने रहने का असर दालों की कीमतों पर भी पड़ा है। सच यह है कि महंगाई एक दुश्चक्र की तरह लोगों के लिए एक गंभीर समस्या बनती जा रही है और एक समय तात्कालिक कारणों से बाजार में उतार-चढ़ाव के तौर पर देखी जाने वाली स्थितियां अब आम रहने लगी हैं। एक समय कई बार लोग कुछ समय तक समझौता करके महंगाई की चुनौतियों का सामना कर लेते थे। लेकिन अब महंगाई में निरंतरता की वजह से संतुलित भोजन पहुंच से बाहर हो रहा है। एक ओर, रिजर्व बैंक महंगाई को काबू में रखने के लिए कुछ कदम उठाता रहता है, तो दूसरी ओर सरकार आए दिन लोगों को भरोसा देती रहती है। हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों से रोजी-रोजगार की फिक्र में लोग यह भी भूलते जा रहे हैं कि उनकी थाली में न्यूनतम चीजें क्या-क्या होनी चाहिए। ज्यादातर लोगों की आय में कमी होने या काम-धंधे में मंदी की स्थिति कायम रहने की वजह से उनकी क्रयशक्ति लगातार सिकुड़ती गई है। कई मामलों में सामान की खरीदारी में कटौती की आंच अब थाली तक भी पहुंच चुकी है। यह एक दुखद स्थिति है कि आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर कदम बढ़ाने का दावा करने के क्रम में इस पक्ष की अनदेखी की जा रही है कि लोग जीने के लिए जो भोजन कर रहे हैं, उसके लिए उन्हें कितना सोचना पड़ रहा है। हालत यह है कि निम्न मध्यवर्गीय परिवारों के लिए भी खाने-पीने के सामान की कीमतें पहुंच से बाहर हो रही हैं। ऐसे में देश की गरीब आबादी के सामने किस तरह की चुनौतियां खड़ी हैं, यह समझना बहुत मुश्किल नहीं है।

राजस्थान विस उपचुनाव: गढ़ बचाने में लगी पार्टियां

रमेश सर्राफ धमोरा

जिन सात विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहे है। उनमें से प्रदेश में सत्तारूढ़ भाजपा के पास सिर्फ एक सलूंबर की सीट थी। जहां उनके लगातार तीन बार के विधायक अमृतलाल मीणा के निधन के चलते उपचुनाव हो रहा है। भाजपा के लिए सलूंबर की सीट जीतना प्रतिष्ठा का सवाल बना हुआ है। इसीलिए भाजपा ने दिवंगत विधायक की पत्नी शांता मीणा को टिकट देकर सहानुभूति का लाभ उठाना चाहती है। इसके अलावा प्रदेश की अन्य विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में भी भाजपा पूरी मजबूती के साथ चुनाव मैदान में उतरी है। उपचुनाव में हार जीत के साथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा व प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन 2014 व 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में बहुत अच्छा नहीं रहा था। इसलिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा चाहते है कि सभी सात सीटों पर उपचुनाव में उनकी पार्टी के प्रत्याशियों को विजय बनवाकर भाजपा आला कमान की नजरों में अपनी मजबूत छवि बना सके। भाजपा प्रदेश की सभी सातों सीटों पर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ रही है। भाजपा ने समय रहते अपने सभी बागियों को मना कर एकजुटता का संदेश देने में सफल रही है। पार्टी के अधिकृत प्रत्याशियों के खिलाफ उतरे बागियों को चुनाव से हटाने में मुख्यमंत्री

भजनलाल शर्मा के प्रयास सफल रहे हैं। प्रदेश की सभी विधानसभा सीटों के उपचुनाव में विजय हासिल करने के चक्कर में भाजपा ने अपनी नीति व सिद्धांतों को भी ताक पर रख दिया है। दौसा सीट पर राजस्थान सरकार में मंत्री डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भाई जगमोहन मीणा को प्रत्याशी बनाया है। जबकि दौसा सीट सामान्य वर्ग की सीट है। मगर भाजपा ने डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के दबाव में अनुसूचित जनजाति के प्रत्याशी को मैदान में उतार दिया है। डॉक्टर किरोडीलाल मीणा के भतीजे राजेन्द्र मीणा भी महुआ से विधायक है। इस तरह एक परिवार के तीन लोगों को पार्टी ने टिकट देकर परिवारवाद को बढ़ावा दिया है। वहीं 2023 के विधानसभा चुनाव में झुंझुनू से भाजपा के प्रत्याशी निशित कुमार उर्फ बबलू के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले राजेंद्र भांभू व रामगढ़ से भाजपा प्रत्याशी जय आहूजा के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने वाले सुखवंत सिंह को टिकट देकर मैदान में उतार दिया है। देवली-उनियारा सीट पर भी भाजपा ने पिछली बार चुनाव लड़े कर्नल किरोड़ी सिंह बैंसला के बेटे विजय बैंसला का टिकट काटकर पूर्व विधायक राजेंद्र गुर्जर को मैदान में उतारा है। वहीं खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष व नागौर के सांसद हनुमान बेनीवाल को पिछले विधानसभा चुनाव में कड़ी टक्कर देकर मात्र 2059 वोटो से हारने वाले रेवतराम डागा को फिर से मैदान में उतारा है। चौरासी सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा प्रत्याशी की करारी हार हुयी थी। इस बार भाजपा ने वहां नया प्रत्याशी कारीलाल ननोमा को मैदान में उतारा है। भाजपा प्रत्याशी सीमलवाड़ा पंचायत समिति के प्रधान है तथा खादड़िया के सरपंच रह चुके हैं। अब उनकी पुत्रवधु रेखा सरपंच है। उनकी पत्नी हाकली देवी भी सरपंच रह चुकी है। क्षेत्र में अच्छी पकड़ होने के कारण राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस बार वहां भाजपा कड़ी टक्कर दे सकती है। कांग्रेस को अपनी चार सीट झुंझुनू, दौसा, देवली-उनियारा व रामगढ़ फिर से जितनी होगी। साथ ही अन्य तीन सीटों पर भी अपनी ताकत दिखानी होगी कांग्रेस ने झुंझुनू से सांसद बने बृजेंद्र सिंह ओला के बेटे अमित ओला को मैदान में उतारा है। अमित ओला ओला परिवार की तीसरी पीढ़ी है तथा उनके दादा शीशराम ओला झुंझुनू से पांच बार सांसद नौ बार विधायक केंद्र तथा राज्य सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे थे। वहीं रामगढ़ सीट पर दिवंगत विधायक जुबेर खान के पुत्र आर्यन खान को उतार कर सहानुभूति के बल पर चुनाव जीतना चाहती है। दौसा सामान्य सीट पर कांग्रेस ने अनुसुचित जाति के दीनदयाल बैरवा को टिकट देकर मैदान में उतारा है। देवली-उनियारा से पूर्व अधिकारी कस्तूर चंद मीणा को मैदान में उतारा है। यहां कांग्रेस के बागी नरेश मीणा चुनाव को त्रिकोणात्मक बना रहे हैं। नरेश मीणा को कांग्रेस पार्टी मनाने में नाकाम रही है। जिसके चलते कांग्रेस प्रत्याशी की स्थिति ज्यादा बेहतर नही मानी जा रही है। सलूंबर में कांग्रेस ने 2018 में निर्दलिय चुनाव लड़कर कांग्रेस को हराने वाली रेशमा मीणा को मैदान में उतारा है। जिससे नाराज होकर सांसद, विधायक व मंत्री रह चुके रघुवीर मीणा अंदर खाने पार्टी प्रत्याशी को नुकसान पहुंचा रहे हैं। चौरासी सीट पर कांग्रेस पार्टी ने इस बार 29 साल के नए प्रत्याशी महेश रोत को मैदान में उतारा है। खींवसर सीट पर कांग्रेस पार्टी ने महिला प्रत्याशी रतन चैधरी को मैदान में उतार कर हनुमान बेनीवाल के वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई है। जिसका फायदा भाजपा को हो सकता है। खींवसर सीट पर रालोपा के अध्यक्ष हनुमान बेनीवाल की प्रतिष्ठा जुड़ी हुई है। पिछला विधानसभा चुनाव वह मात्र 2059 वोटो से जीते थे। फिर कांग्रेस से गठबंधन कर नागौर से सांसद चुने जाने पर उन्होंने विधानसभा से इस्तीफा दे दिया था। अब उन्होंने अपनी पत्नी कनिका बेनीवाल को मैदान में उतारा है। यहां उनका मुकाबला भाजपा के रेवत राम डागा व कांग्रेस की रतन चैधरी से होगा। हनुमान बेनीवाल ने 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा के रेवत राम डागा को महज 2059 वोटो से हराया था। विधानसभा उपचुनाव में यदि हनुमान बेनीवाल की पत्नी चुनाव हार जाती है तो उनकी पार्टी का विधानसभा में प्रतिनिधित्व तो समाप्त होगा ही साथ ही उनका प्रदेश की राजनीति में प्रभाव भी काम हो जायेगा। इसलिए हनुमान बेनीवाल के लिए उपचुनाव में करो व मारो वाली स्थिति बनी हुई है। आदिवासी बहुल चौरासी विधानसभा सीट पर पिछले विधानसभा चुनाव में आप पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार रोत 69166 वोटो से चुनाव जीते थे। उनके बांसवाड़ा-डूंगरपुर से सांसद बनने के चलते इस्तीफा देने से खाली हुई चौरासी सीट पर उपचुनाव हो रहा है।

जीवन के अंतिम चरण की चुनौतियां...

रमेशचंद मीणा

परिवार तभी मुकम्मल माना जाता रहा है, जब उस परिवार का कोई एक अदद मुखिया उसे संचालित करता है। क्या आज परिवार के मुखिया के साथ ऐसा हो पा रहा है? यह सवाल आज एक तरह से सबसे उपेक्षित सवालों में से एक है। दरअसल, समाज का आम रवैया जैसा होता है, उसमें वृद्धों की दुनिया ही अलग होती है। बल्कि कई बार ऐसा लगता है कि क्या वृद्धों को दूसरी दुनिया बना लेनी चाहिए! सच यह है कि वृद्धों की अपनी अलग दुनिया होती नहीं है, बल्कि उन्हें शेष जीवन का वक्त किसी तरह से काटना पड़ता है। उनकी दुनिया अपनों से अलग हो जाती है। युवा बढ़ता खून और वृद्ध सूखता, घटता और निचुड़ता खून है। युवा अपनी युवावस्था में बहुत-सी बातों पर गौर नहीं करते, इसलिए अपने बुजुर्गों की मान-मर्यादा नजरअंदाज कर दी जाती है। एक दिन जब शक्ति उनके हाथों से निकल चुकी होती है, तब उन्हें अपने ही घर में कहीं एक कोना भी मिल पाना मुश्किल हो जाता है। कई बार उन्हें वृद्धाश्रम में यों छोड़ दिया जाता है, जैसे वे कोई घर का फालतू सामान हों, जिसे बाहर कर दिया जाता है। कई बुजुर्गों को घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता है। इनमें से कुछ ऐसे होते है जो वृद्धाश्रम में शरण ले पाते हैं। कई बुजुर्ग ऐसे भी हैं जो सड़क पर लावारिस दम तोड़ने पर मजबूर होते है। भारत में आज भी वृद्धाश्रम को भारतीय संस्कृति के खिलाफ माना जाता है। उदारीकरण के बाद कई बातों को जोर देकर भारतीय संस्कृति का विरोधी कहा जाता है, लेकिन ज्यादातर लोग व्यवहार में वैसा ही करते हैं। इसी तर्ज पर वृद्ध समाज के हाशिये पर चले जाने पर उनकी पीड़ा को कोई समझने को तैयार नहीं होता। जिन अपने कहे जाने वाले पुत्र-पुत्रियों को उनका वारिसाना हक मिलता है, वे सब कुछ हासिल करना अपना हक समझते है, पर अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ लेते हैं। ऐसा क्यों हो रहा है? क्या हम पूरी तरह पश्चिमी रंग में रंग चुके हैं? हम औद्योगिक युग की भाग-दौड़ में जी रहे हैं। वृद्धों का दूसरा संसार यों तो हमेशा से रहा है, पर वर्तमान में यह संसार अधिक दुखदायी, त्रासद और कष्टमय होता जा रहा है। इस कष्ट के पीछे बेशक अपनी परंपराओं से मुंह मोड़ना, भूलना और अपने सुख के पीछे अंधे होकर दौड़ लगाना रहा है। हम सभी जिंदगी भर घर का भार ढोने वाला मुखिया बनकर जीते है और बुढ़ापे में घर की चौखट से बाहर कर दिए जाते हैं। आज वैसे बुजुर्ग दिख जाएंगे, जो 'अंतिम अरण्य' में दिन काट रहे हैं या

फिर कहीं किसी पुलिया पर समय काटने पर मजबूर हैं। कई घरों की बैठक में सबका हिस्सा होता है, पर वृद्ध घर के एक कोने में सिकुड़कर रहने पर मजबूर है या फिर उन्हें वृद्धाश्रम का रास्ता बता दिया जा रहा है। जो बुजुर्ग घर में बराबर का साथ पा रहे हैं, वे बड़े सौभाग्यशाली हैं और थोड़ा अच्छा वक्त बिताते हुए अच्छे से जी लेते हैं। यानी ऐसे बच्चे भी हैं जो अपने घर की बुनियाद रखने वालों की कद्र करते हैं, उनका खयाल रखते हैं। मगर नई पीढ़ी के ज्यादातर युवा क्यों रंग बदले रहे हैं? क्या इनका बदलना जरूरी है? चिंता इस बात की है कि अगर ये यों ही बदलते रहे तो भारतीयता का क्या होगा? वृद्धों का क्या होगा? उपभोक्तावाद,, बाजारवाद और उदारवाद में यह सब होना स्वाभाविक माना जाता है। भारत की पुरानी पीढ़ी यह सब देखकर भौंचक है तो नई पीढ़ी जश्न के मूड में है। इसलिए फिलहाल वह इस विषय पर किसी तरह की चिंता करने की स्थिति में नहीं है। चिंता कर रहे हैं समाजशास्त्री, विद्वान लेखक और चिंतक कि क्या किया जाए, जिससे अंतिम समय में बुजुर्ग अपने परिवार में थोड़ा सुकून से रह कर गुजार सकें। वृद्धावस्था के अपने कड़वे सच है। इसे जीने के लिए वृद्ध व्यक्ति को स्वयं ही भोगना होता हैं। अवस्था के अनुसार व्यवहार करना होता है। समय के बदलने के साथ बहुत कुछ बदल जाता है। दूसरों से अपेक्षा जितनी कम रखी जाए, उतनी ही सही है। जीवन सुख-दुख का गुलदस्ता है। सुख-दुख आते-जाते रहते हैं। ये जीवन के ऐसे पहलू हैं, जिन्हें कहना आसान है, जीवन में उतारना बड़ा मुश्किल होता है। जीवन दर्शन को समझ लेने वाले बुढ़ापे में निराश, हताश नहीं होते। बेटे-बेटियों से अत्यधिक अपेक्षा करने वाले भावुक बुजुर्ग अक्सर दुखी रहते हैं। भारतीय दर्शन का एक शब्द है- 'वीतराग'। इस शब्द को जीवन में उतारे बिना वृद्ध व्यक्ति आधा-अधूरा ही रहेगा। पहली से दूसरी दुनिया में प्रवेश करते ही हर उस बात के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए, जिसे दर्शन की भाषा में वीतरागी कहा गया है। बुद्ध उसे विपश्यना कहते हैं।

दुनिया पर क्या असर डालेगी ट्रंप की वापसी,क्या हैं उम्मीदें-आशंकाएं?

अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव नतीजों का इतनी बेसब्री से इंतजार पहले शायद ही कभी हुआ हो, और इसकी अकेली वजह यह कि इतने लंबे समय तक दो बड़ी लड़ाइयों का बोझ बर्दाश्त करना दुनिया के लिए मुश्किल साबित हो रहा है। डॉनल्ड ट्रंप की छवि एक शांतिप्रिय राजनेता जैसी कभी नहीं रही लेकिन रूस-यूक्रेन युद्ध जल्दी रुकवा देने के उनके चुनावी बयान से यह उम्मीद जरूर बनी कि नैटो पक्ष की ओर से इस दिशा में कुछ बात तो शुरू होगी। दूसरी बार राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप अपने बयान से मुकर भी सकते हैं। कथनी और करनी को जोड़कर चलने की बाध्यता उन्होंने आजतक नहीं महसूस की है। लेकिन उनका जनाधार यूक्रेन के मोर्चे पर मामला ठंडा करने के पक्ष में है। विवेक रामास्वामी से लेकर इलॉन मस्क तक कई महत्वपूर्ण रिपब्लिकन नेता और समर्थक इसकी जोरदार वकालत करते रहे हैं। लिहाजा संभावना यही है कि ट्रंप के शपथ ग्रहण के साथ इस दिशा में कुछ हरकत होने लगेगी। ऐसी कोई बात दूसरी लड़ाई, यानी फलस्तीनी इलाकों और लेबनान में जारी इस्राइल की सैन्य कार्रवाइयों को लेकर नहीं कही जा सकती। डॉनल्ड ट्रंप की नीति शुरू से इस्राइल को फलस्तीनी अरब बस्तियों पर हमले की खुली छूट देने की रही है। अपने पिछले कार्यकाल में उन्होंने इस्राइल स्थित अमेरिकी दूतावास को वहां की राजधानी तेल अवीव से येरुशलम ले जाने का फैसला किया था, जो एक तरह से संयुक्त राष्ट्र के फैसले को खारिज करते हुए इस प्राचीन शहर पर पूरी तरह से इस्राइल का कब्जा घोषित करने जैसा था। ट्रंप की वापसी का इस्राइल-फलस्तीन युद्ध पर इतना ही असर हो सकता है कि पिछले कई दिनों से ईरान की ओर से इस्राइल पर जवाबी हमले की तैयारियों की जो खबरें आ रही हैं, वे शायद गलत साबित हों और ईरान अपने इस इरादे को हमेशा के लिए ठंडे बस्ते में डाल दे। उसने ऐसा नहीं किया तो उसे पहले से कहीं ज्यादा बड़े अमेरिकी दखल के लिए तैयार रहना होगा। यूं भी ट्रंप का रुख ईरान पर अधिक सख्ती बरतने का रहा है और उनकी वापसी से इस देश को भारी समस्या हो सकती है। एक महत्वपूर्ण पहलू दुनिया की दोनों शीर्ष आर्थिक शक्तियों के आपसी रिश्ते का है। चीन से होने वाले आयात पर टैक्स की दरें बढ़ाकर उसके खिलाफ व्यापार युद्ध की शुरुआत डॉनल्ड ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल के दूसरे साल से ही कर दी थी। हाल के अपने चुनावी भाषणों में उन्होंने इस मामले में और ज्यादा सख्ती दिखाने के संकेत दिए हैं। लेकिन चीन के प्रति जोसफ बाइडन की नीति भी ट्रंप से निरंतरता बरतने की ही रही है, लिहाजा किसी नाटकीय बदलाव की कल्पना करना कठिन है। चीन द्वारा अमेरिका को किया जाने वाला निर्यात आज भी बहुत बड़ा है, लेकिन उसमें एक झटके में कोई बड़ी कटौती करने पर अमेरिका में महंगाई का मुद्दा बहुत तीखा हो जाएगा। कई चीजें ऐसी हैं जो अमेरिका में बनाने पर चीनी आयात की तुलना में कई गुना महंगी हो जाती हैं। इसके बावजूद, ट्रंप को अमेरिकी बाजारों में चीन का दखल घटाना है तो इसके लिए बयानों से आगे बढ़कर उन्हें लंबी तैयारी करनी पड़ेगी। पिछले कार्यकाल में ट्रंप का सबसे तीखा टकराव यूरोप की सरकारों द्वारा रक्षा के मद में बहुत कम खर्च किए जाने को लेकर था। दरअसल, कई दशकों से वे यह मानकर चल रही थीं कि यूरोप की सुरक्षा की जिम्मेदारी सबसे बढ़कर अमेरिका पर है, जिसकी एटमी मिसाइलों और राडारों के लिए जगह मुहैया करा देने के बाद उन्हें कुछ विशेष चिंता करने की जरूरत नहीं है।

आज का राशिफल

मेष

वृषभ

मिथुन

कर्क

सिंह

कन्या

तुला

वृश्चिक

धनु

मकर

कुंभ

मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5413

	7			3			1	
1	3	9		8	2		6	
6							8	
7		2						1
			9		4			
8						9		6
	8							5
	5		1	4		2	9	7
	1			9			3	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5412

6	1	3	7	5	9	8	2	4
4	8	9	2	1	6	3	7	5
5	2	7	8	3	4	6	1	9
9	6	5	1	7	8	4	3	2
3	7	8	5	4	2	9	6	1
1	4	2	6	9	3	7	5	8
2	5	4	9	6	7	1	8	3
7	9	1	3	8	5	2	4	6
8	3	6	4	2	1	5	9	7

वर्ग पहेली 5413

संकेत: बाएं से दाएं

1. बांग्लादेश के उत्तरी भाग में ब्रह्मपुत्र नदी का यह नाम है (3)
4. देश के सबसे गहरे खड्डों का निर्माण करने वाली नदी (3)
7. रस्म, रीति, प्रथा, चलन (3)
8. जो असत्य हो, जो उचित न हो (3)
9. ज्वालामुखी से निकलने वाला विस्फोटक पदार्थ (2)
12. जिसके साथ आत्मीयता का संबंध न हो, अन्य (2)
13. नया जमाना, नवीन दुनिया (4)
17. लिखा हुआ, अंकित (2)
18. [illegible] (4)
20. घोड़े पर खेला जाने वाला गेंद और बल्ले का एक प्रकार का खेल, पोलो (3)
21. धेनु, गौ (2)
22. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
23. [illegible] (2)
24. प्रातःकालीन का अर्धप्रकाश, प्रकाश की किरण (1)

ऊपर से नीचे

1. एक वस्तु के बदले दूसरी वस्तु देना (5)
2. औषधि, उपचार, चिकित्सा (2)
3. विशिष्ट किंतु अज्ञात बात, घटना का विवरण (3)
4. शास्त्रीय संगीत में एक रागिनी जो मेघराग की पुत्रवधू कही गई है (3)
5. दंगा-फसाद, उपद्रव, बगावत (3)
6. दुर्व्यसन, बुरी आदत, कुटेव (2)
10. कोई ऐसी घटना जिसमें कोई अपराध हुआ हो (4)
11. मननशील, महात्मा, मनन करने वाला (2)
14. ईद की नमाज पढ़ने का स्थान (4)
15. दुष्ट व्यक्ति जिसकी भूमिका खल व्यक्ति की हो (3)
16. स्मरण रहने योग्य, स्मरणीय (4)
19. घोड़े को यह भी कहा जाता है (2)
20. चबूतरा, चबूतरे के रूप में बनी हुई वास्तु रचना (2)

वर्ग पहेली 5412 का हल

मसानिया खेल एवं युवा कल्याण विभाग में विधायक प्रतिनिधि मनोनीत

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। क्षेत्रीय विधायक श्री विपिन जैन ने खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर में विधायक प्रतिनिधि रूप में कांग्रेस नेता अनिल मसानिया को मनोनीत किया है।

विधायक श्री जैन ने जिला खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग मंदसौर को पत्र लिखकर श्री अनिल मसानिया को विधायक प्रतिनिधि नियुक्त करने की सूचना दी है।

विधायक प्रतिनिधि अनिल मसानिया विधानसभा क्षेत्र मंदसौर से संबंधित खेल गतिविधियों, कार्यों, र्समस्याओं, आयोजनों हेतु समय-समय पर खेल अधिकारी से संवाद कर खिलाड़ियों व खेल को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे । श्री मसानिया कांग्रेस संगठन की रीति नीति के अनुरूप युवाओ को खेल गतिविधियों से जोड़ने का कार्य भी करेंगे। उक्त जानकारी मंदसौर शहर ब्लाक महामंत्री शिवशंकर सोलंकी ने दी।

पैर फिसलने से कुएं में गिरा व्यक्ति, मौत

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के सीतामऊमें रविवार को दर्दनाक हादसा हुआ। जिसमें पैर फिसलने से एक व्यक्ति कुएं में जा गिरा। जिससे उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार कोटेश्वर कॉलोनी के रहने वाले गोपाल सुथार का अचानक पैर फिसल गया और वह कुएं में जा गिरा। सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें कुएं से निकाला। लेकिन तब तक पानी में डूब कर उनकी मौत हो चुकी थी। घटना की खबर लगने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने मर्ग कायम किया है।

श्री उत्तरमुखी बालाजी मंदिर पर आयोजित अन्नकूट महोत्सव में हजारों भक्तों ने किया प्रसाद ग्रहण

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री उत्तरमुखी बालाजी रामेश्वरम् महादेव मंदिर रामघाट मंदसौर पर अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया गया जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने उपस्थित होकर प्रसादी का लाभ लिया। आयोजन के दौरान भगवान बालाजी का सांवलियाजी के रूप में आकर्षक श्रृंगार भी किया व मंदिर को विद्युत सज्जा से सजाया गया।

मंदिर समिति अध्यक्ष कमलेश सिसोदिया पार्षद ने बताया कि प्रति वर्ष मंदिर में अन्नकूट महोत्सव का आयोजन किया जाता है इसी क्रम में इस बार भी अन्नकूट महोत्सव में भव्य महाआरती व उसके पश्चात् भगवान को अन्नकूट का भोग लगाकर भक्तों को प्रसादी का वितरण किया गया। सायंकाल श्री उत्तरमुखी बालाजी रामेश्वर महादेव मंदिर में ढोल ढमाकों के साथ महाआरती हुई। महाआरती में अतिथि के रूप में विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, पार्षद पार्षद गोवर्धन कुमावत, दीपक गाजवा, गरिमा भाटी, सुनीता भावसार, प्रमिला गोयल, समाजसेवी विकास दशोरा, पुलकित पटवा, महेश भावसार, बंटी चौहान, मनोहर नाहटा, महेन्द्र परिहार, रमेश ब्रिजवानी सहित बड़ी संख्या में धार्मिक, सामाजिक संगठनों के पदाधिकारी एवं श्री उत्तरमुखी बालाजी के बड़ी संख्या भक्तगण उपस्थित रहे। अतिथियों का मंदिर समिति ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत कियां मंदिर समिति के सदस्य दीपक जैन, रोहन मारोठिया, यश मारोठिया, रवि उटवाल, प्रहलाद सहित सभी वरिष्ठ एवं युवा टीम व बालाजी भक्तों द्वारा अन्नकूट महोत्सव में तन-मन-धन से पूर्ण सहयोग प्रदान किया जिनका कमलेश सिसोदिया ने आभार व्यक्त किया।

आंवला नवमी के अवसर विधि विधान से की पूजा

पिपलियामंडी, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को आंवला नवमी के अवसर पर अग्रवाल मोहल्ले मे महिलाओ ने की आंवले के पेड़ की पूजा। श्रीमती सरला शर्मा ने बताया की आंवला नवमी को अक्षय नवमी के नाम से भी जाना जाता है अक्षय का अर्थ होता है जिसका क्षरण न हो। इस दिन किए गए कार्यों क्र अक्षय फल प्राप्त होता है। अक्षय नवमी का शास्त्रों में बहुत बड़ा महत्व बताया गया है। अक्षय नवमी के दिन आंवले के पेड़ की पूजा का खास महत्व बताया गया है। कहते हैं कि इस दिन आंवले के पेड़ से अमृत बरसता है, इसलिए अक्षय नवमी के दिन आंवले पेड़ के नीचे लोग खाना भी खाते हैं। इस दिन भगवान विष्णु, देवी लक्ष्मी और भगवान शिव की पूजा एक साथ आंवले पेड़ के निचे बैठ कर करते हैं. आंवला नवमी के दिन भी बिना मुहूर्त देखे कोई नए कार्य की शुरुआत की जा सकती है।

मंदसौर जिला प्रेस क्लब की नवीन कार्यकारिणी घोषित

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मन्दसौर जिला प्रेस क्लब के नवमनोनीत अध्यक्ष पुष्पराजसिंह राणा ने जिला प्रेस क्लब की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है।

इस आशय की जानकारी देते हुए सचिव राहुल सोनी व कोषाध्यक्ष लोकेश पालीवाल ने बताया की नवीन कार्यकारिणी में परामर्शदाता सर्वश्री सुरेंद्र लोढ़ा, शांतिलाल जैन, महावीर अग्रवाल, मोहन रामचंदानी व अशोक झलोया, संरक्षकगण सर्वश्री संजय पोरवाल, नरेंद्र अग्रवाल व ब्रजेश जोशी तथा मार्गदर्शक मंडल में सर्व श्री डॉ. घनश्याम बटवाल, विक्रम विद्यार्थी, वल्लभ फरक्या, बलवंत फांफरिया, ईश्वर रामचंदानी व रमाकांत भारद्वाज मनोनीत किये गए है। नवीन कार्यकारिणी में वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय लोढ़ा, उपाध्यक्ष कोमलसिंह तोमर, आशुतोष नवाल, प्रकाश सिसोदिया, नरेंद्र धनोतिया व नेमीचंद राठौर, संगठन मंत्री अनिल जैन, नवीन जैन, महेश जैन, नरेंद्र मालू व आकाश चौहान, सहसचिव महावीर जैन, शाहिद चौधरी, गायत्रीप्रसाद शर्मा व अब्दुल वाहिद रईस, संयुक्त सचिव विनोद गौड़, प्रवक्ता गौरव जोशी, प्रचारमंत्री ललित पटेल, सचिन जैन, भारतसिंह तोमर, सह प्रवक्ता विजेंद्र फांफरिया, किशोर ग्वाला, सलमान कुरेशी, दिलीप सेठिया, संजय भाटी, जगदीश वसुनिया व पिंटू शर्मा, सहसंगठन मंत्री रमेश भाटी, गोलू चौहान, शंभूसेन राठौड, रमेश चौहान, संदीप शर्मा, प्रीतेशसिंह राव व निलेश भारद्वाज मनोनीत किये गए है। जिला कार्यकारिणी में अजय लोढा, आलोक शर्मा, डॉ प्रीतिपालसिंह राणा, अभिषेक विद्यार्थी, निलेश त्रिवेदी, संजय वर्मा, अशोक त्रिपाठी, ओमप्रकाश सोनी, हेमंत शर्मा, राजेश कुलश्रेष्ठ, राजेश पाठक, अनिल जोशी, चरण राजपाल, अर्पित डोसी, प्रमोद जैन, राजेश मालू, रईस अहमद खान, गोवर्धन सेठिया, आशीष नवाल, सुनील शर्मा, देवेंद्र मोर्य, जितेश फरक्या, जितेंद्र शर्मा, शाहिद पठान, अशोक परमार, चित्रेश सोनी, ललित भाटी, पंकज परमार, जितेश जैन व जितेंद्र देवड़ा मनोनित किये गए। वही जिला कार्य समिति में विकास तिवारी, मनीष पुरोहित अजय बड़ोलिया, अर्पित जोशी, सुरेश भावसार, शंकर ककनानी, ओम कुमावत, प्रदीप कारपेंटर, नवनीत शर्मा व दिग्विजयसिंह पवार में लिए गए है।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ की प्रांतीय कार्यसमिति बैठक सम्पन्न

संगोली/मनासा, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। प्रदेश में पत्रकारो के सबसे बड़े रजिस्टर्ड संगठन मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ की 25 वीं प्रदेश कार्यकारिणी बैठक एवं सम्मेलन दिनांक 10 नवम्बर रविवार को सुजालपुर के निर्मल श्री गार्डन में प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार शाजापुर विधायक अरुण भिमावत भाजपा जिला अध्यक्ष अशोक नायक जिला पंचायत अध्यक्ष हेमराज सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम में अध्यक्षिय उद्धबोधन में बोलते हुए संगठन के प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया ने कहा की पत्रकार समाज में फेल रही गंदगी को दूर करने का काम करता है और सदेव जनता कि आवाज बनकर जनहित को प्राथमिकता देता है पर आज पत्रकारिता की राह भी आसान नहीं रही है लोग इसे बेरोजगारी का सुचक मानने लगे हैं सरकार ओर लोगों की निगाह में पत्रकार को लोकतंत्र में चौथा स्तंभ मानते हैं पर सचाई यह है कि संविधान में ऐसा कोई उल्लेख नहीं है ये बहुत बड़ी चुक है सरकार को विधिवत सदन में प्रस्ताव पारित कर पत्रकारिता को चौथा स्तंभ मानना चाहिए वहीं पत्रकार को भी हमेशा जनता से जुड़े रहना चाहिए मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ हमेशा पत्रकार साथियों के मान सम्मान के लिए काम करता है और हमैशा पत्रकार हितों के लिए संघर्षरत रहेगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोलते हुए उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने कहा कि पत्रकार

समाज में श्रेष्ठ विचारों को तेजी से आगे बढाते हुए समाज को सही दिशा देने का काम करता है हमारी केन्द्र सरकार ने दुनियाभर के सभी वर्गों के लोगों से सुझाव लेकर नयी शिक्षा निती बना कर देश में आमुलचुल परिवर्तन लाने का काम किया है। आपने बोलते हुए कहा कि हमने सूर्य की ताकत को समझने में देर कर दी फिर भी देर आए दुरूस्त आएं हम सूर्य की ताकत को समझते हुए तेज़ी से आगे बढ रहे हैं और आने वाले समय में शीघ्र ही पूर्ण विकसित देशों में शामिल हो जाएंगे। कार्यक्रम में शाजापुर विधायक अरुण भिमावत ओर भाजपा जिलाध्यक्ष अशोक नायक ने भी अपने विचार व्यक्त किये इनके अलावा संगठन के प्रदेश पदाधिकारी मोहम्मद अली रिजवान अहमद प्रदेश महासचिव सुनील त्रिपाठी राजकुमार दूबे दिलिप सिंह भदौरिया प्रदेश कोषाध्यक्ष शिशुपाल सिंह तौमर ने अपने विचार व्यक्त किए। समारोह के दौरान आयोजन समिति द्वारा प्रदेश अध्यक्ष शलभ भदौरिया एवं उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार का अभिनंदन पत्र के साथ स्वागत अभिनन्दन किया गया इसके अलावा आयोजन समिति ने प्रदेश पदाधिकारीयों का भी अभिनन्दन पत्र से स्वागत अभिनन्दन किया। सुजालपुर में आयोजित प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक में भाग लेने हेतु नीमच जिले से जिलाध्यक्ष प्रदीप जैन के नेतृत्व में प्रदेश प्रतिनिधि भरत जाट जिला महासचिव चेनसिंह सोलंकी जिला उपाध्यक्ष राकेश सोन जिला संयुक्त सचिव कोशल व्यास ने भाग लिया।

आंवला नवमी पर वृक्ष का पूजन कर मांगी परिवार के लिए सुख, शांति व समृद्धि

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कार्तिक शुक्ल पक्ष नवमी दिन रविवार को स्थानीय अग्रसेन नगर स्थित चमत्कारी श्री शिवशक्ति मारुति मंदिर में मातृशक्ति ने आंवला वृक्ष की पूजन और परिक्रमा कर परिवार में सुख शांति समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगा।

प्रात: से ही मंदिर में आंवला पूजन की धूम रही। महिलाओं ने आंवला पेड को रक्षा सूत्र बांधकर पूजा अर्चना कर खुशहाली का आशीर्वाद लोगों ने मांगा। वहीं विविध व्यंजनों का भोग लगाकर आपस में प्रसाद बांटा गया। उल्लेखनीय है कि सनातन धर्म में आंवला नवमी का विशेष महत्व है। इस दिन आंवला वृक्ष का पूजन और दान करने से माता लक्ष्मी और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

अन्नकूट वितरण सम्पन्न

पिपलियामंडी, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। स्टेशन बालाजी मंदिर परिसर में रविवार को अन्नकूट वितरण समारोह सम्पन्न हुआ। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दोपहर 12 बजे विशेष पूजा-अर्चना हुई। दोपहर 1 बजे बैठक व्यवस्था कर अन्नकूट वितरण सम्पन्न हुआ, जो शाम तक चला। बड़ी संख्या लोगों ने अन्नकूट का प्रसाद ग्रहण किया। इसी तरह फोरलेन विद्युत ग्रीड वाले बालाजी व अयोध्या बस्ती स्थित पंचमुखी बालाजी पर भी अन्नकूट प्रसाद का वितरण हुआ।

मेनपुरिया बालाजी मंदिर पर मनाया अन्नकूट महोत्सव

मेनपुरिया, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गोवर्धन पूजा के साथ देवालयो में अन्नकूट की शुरुआत हुई शनिवार को गांव में बालाजी मंदिर पर अन्नकूट बना। भगवान को विभिन्न पकवानों के भोग लगाए गए शाम को , सात बजे महाआरती की गई। आरती के पश्चात , एक हजार, से भी अधिक श्रद्धालुओं को अन्नकूट का प्रसाद वितरित किया। मंदिर के बाहर प्रसाद वितरण के लिए भक्तजन टेबल लगाकर व्यवस्था में जुटे रहे। मंदिर के बाहर प्रसाद लेने के लिए श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। देर रात 10 बजे तक प्रसाद वितरण किया गया।

श्रीराम गणेशोत्सव समिति व श्रीराम मानव सेवार्थ संस्था रामटेकरी का दीपावली मिलन व सम्मान समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नगर की स्वयंसेवी धार्मिक सेवा समिति संस्था श्रीराम गणेशोत्सव समिति व श्रीराम मानव सेवार्थ संस्था का खुशनुमा माहौल में रेवास देवड़ा रोड स्थित मनवार रेस्टोरेंट-गार्डन में दीपावली मिलन एवं सम्मान समारोह सम्पन्न हुआ।

इस समारोह में सामाजिक, धार्मिक, पर्यावरण के क्षेत्र में सेवा दे रहे संस्थाएं पंछी बचाओ अभियान, अग्रेसर विकास समिति, गौ आरोग्य सेवा समिति, श्री कृष्ण कामधेनु सामाजिक संस्था, नंद सेवा संकल्प संस्था व अनंत चतुर्दशी पर निकलने वाली झांकियों व सभी अखाड़ो के प्रतिनिधियों को समिति व संस्थाओं के पदाधिकारियों का दुपट्टा पहनाकर व शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस दौरान श्रीराम मानव सेवार्थ संस्था द्वारा वर्ष 2025 में मंदसौर नगर में दिवंगत आत्माओं को मुक्तिधाम पहुँचाने के लिए नि:शुल्क शव वाहन लाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर संस्था के सभी ज्येष्ठ व श्रेष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश नागर ने किया अंत मे आभार निलेश (गोटी) कुमावत ने माना।

कुमावत समाज का दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

मनासा, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कुमावत समाज का दीपावली मिलन समारोह हुआ समपन्न , बच्चो के सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन सहित समाज के प्रतिभावान छात्र छात्राओं का किया सम्मान।

नगर मनासा मे निवासरत कुमावत समाज के द्वारा सामाजिक स्तर पर नई शुरुआत करते हुये पहली बार दिपावली मिलन समारोह का वृहद आयोजन रविवार 10 नवंबर को स्थानीय कुमावत समाज धर्मशाला मे संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत सिलावटी गली गली स्थित समाज के मंदिर भगवान चारभुजा नाथ की पूजा अर्चना के साथ हुई । के बाद समाज के सभी महिला पुरूष युवा युवतियां चल समारोह के साथ नाचते गाते हुये नगर के नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुये आयोजन स्थल धर्मशाला पर पहुचे। जहा पर भगवान विश्वकर्मा के चित्र पर माल्यार्पण कर हुई सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत आयोजन के तहत विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम जिसमे बच्चो की चेयर रेस, एक मिनट प्रतियोगिता ,डांस कामपीटिशन सहित का आयोजन हुआ जिसमे बालक बालिकाओ ने बढ़चढ़ कर हिस्सेदारी की । कार्यक्रम के पश्चात सभी प्रतियोगिता मे विजेताओं को समाज के द्वारा शील्ड ट्राफी प्रदान कर सम्मानित कीया गया। उसके बाद सभी समाजजनो एक दूसरे को दिपावली पर्व की हार्दिक बधाई शुभकामनाएं देते हुये

मंगलमयी बधाईयां दी व उसके बाद समाज के पटेल भगवतीलाल कुमावत ने सभी समाजजनो के जीवन मे यह नवीन वर्ष खुशियों भरा हो सभी खुब उन्नति प्रगति करे की कामना करते हुये बधाई शुभकामनाएं दी के बाद सभी के सामुहिक भोज के साथ आयोजन का हुआ समापन ।

राजराजेश्वर सहस्त्रार्जुनजी का प्राकट्य उत्सव जायसवाल समाज द्वारा मनाया

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। भगवान विष्णु के सुदर्शन चक्रावतार, चक्रवर्ती सम्राट सप्तदीपेश्वर भगवान श्री राजराजेश्वर सहस्त्रार्जुन के प्राकट्य उत्सव कार्तिक शुक्ल सप्तमी पर जायसवाल समाज मंदसौर द्वारा उत्साह एवं उल्लास के साथ मनाया गया। प्राकट्य दिवस के अवसर पर जायसवाल (कलचुरी) समाज द्वारा

प्रात: 9 बजे से हवन व महाआरती का आयोजन किया। तत्पश्चात् समाज की प्रतिभाओं ने डांस एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में भी हिस्सेदारी की। महिलाओं के लिए रंगोली एवं चेयररेस प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय प्राकट्य उत्सव का आयोजन जायसवाल (कलचुरी) समाज विगत दो वर्षों से कर रहा है। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान भी किया गया। इस अवसर पर विजेता प्रतियोगी बच्चों एवं महिलाओं को समाजजनों द्वारा पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम के अंत में सभी समाजजनों का सहभोजन सम्पन्न हुआ।

गौमाता का पूजन कर मनाया गोपाष्टमी पर्व

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री सांवरिया गौशाला कुंचडोद में गौ माता का पूजन कर गोपाष्टमी पर्व मनाया गया। गौ माता को स्नान कराकर रंग मेहंदी लगाकर विधिवत पूजन कर नैवेद्य भोग लगाया। गौशाला के समस्त कर्मचारियों का पुष्पमाला धारण कराकर सम्मान किया गया तथा उन्हें पुरस्कार स्वरूप राशि भेंट की गई।

इस अवसर पर गौशाला संरक्षक ठाकुर चंद्रपाल सिंह, पतंजलि योग गुरू व संगठन जिला अध्यक्ष योग गुरु बंसीलाल टांक, गौशाला कार्यकारी अध्यक्ष दशरथ कुंडेल, उपाध्यक्ष आजाद कुमार जैन, प्रेम सुख पाटीदार, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी नारायण कुंडेल, सचिव दशरथकुमार गोयल, सहसचिव कारुराम करा, सदस्य पूर्व सरपंच गोवर्धनलाल रोडवार, राधेश्याम मंडोवरा, लक्ष्मीनारायण प्रजापत, राधाकृष्ण पाटीदार, निर्मल कुमार जैन आदि उपस्थित रहे।

दीपावली मिलन समारोह सम्पन्न

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। दीपावली पर्व सुख समृद्धि, हर्षोल्लास व खुशियों का पर्व है। पूरे विश्व में इसे बड़े उल्लास और उमंग से मनाया जाता है। दशपुर जागृति संगठन ने भी आशुतोष होटल पर मॉ धन की लक्ष्मी का पूजन सभी सदस्यों ने किया तथा दीप प्रज्वलन कर आरती की।

संगठन के अध्यक्ष डॉ. देवेन्द्र पुराणिक ने कहा कि दशपुर जागृति संगठन एक छोटा सा परिवार है, घर पर तो हम पर्व मनाते ही है परन्तु साथियों के साथ मनाने का एक अलग आनन्द होता है। हम आज लक्ष्मीजी से मांगते है कि दशपुर जागृति संगठन को धनधान्य से पूर्ण करे ताकि हम क्रांतिकारियों के कार्यक्रम अच्छे से आयोजित कर सके। किसी के सामने हमें हाथ नहीं फैलाना पड़े। उपस्थित सभी साथियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। साथ ही सभी साथियों ने भी अपने उद्गार प्रकट करते हुए एक दूजे को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की। आज के दिन दो नवीन सदस्यों को जोड़ा गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव आशीष बंसल ने किया। सभी का सहयोग के लिये आभार अध्यक्ष डॉ. पुराणिक ने माना। इस अवसर पर श्री के.के. दुबे, श्री चन्द्रप्रकाश विश्नोई, श्री बी.एस. सिसौदिया, श्री हरिशंकर शर्मा, श्री महेश शर्मा, श्री महेश गुप्ता, श्री आशीष नलवाया, श्री राजेन्द्र चाष्ट, श्री मुकेश नागर, श्री हरिनारायण टेलर, श्री सुरेश गुप्ता, श्रीमती सीमा चौरडिया, श्रीमती चंचल नलवाया आदि उपस्थित थे।

नेनोरा क्षेत्र में दिखा जरख

पिपलियामंडी, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नेनोरा क्षेत्र में जरख दिखने से किसान दहशत में है। नेनोरा निवासी ओमप्रकाश शर्मा ने बताया कि खेत पर सिंचाई के लिए गए तो जंगली जानवर जरख दिखाई दिया। जिसका मैं वीडियो भी बनाया। शर्मा ने बताया कि किसान रात्रि में खेत पर जाते है, जानवर हमला भी कर सकता है। वन विभाग जरख को शीघ्र पकड़े।

शक्तावत का निधन

पिपलियामंडी, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बरखेड़ा जयसिंह गांव में राजपूत समाज के वरिष्ठ दातारसिंह शक्तावत का 72 वर्ष की आयु में अहमदाबाद में उपचार के दौरान निधन हो गया। गांव में निकली अंतिमयात्रा में समाजजनों व गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर श्रद्धांजलि दी। पुत्र लोकेन्द्रसिंह व विजेन्द्रसिंह ने मुखाग्नि दी।

मेवाड़ा सेन समाज ने मनाया अन्नकूट महोत्सव

विधायक जैन ने मंदिर निर्माण हेतु 3 लाख रुपए की घोषणा की

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मेवाडा सेन समाज पंचायत श्री सत्यनारायण श्री बालाजी मंदिर खानपुरा परिवार द्वारा सत्यनारायण की बगीची स्थित मंदिर में अन्नकूट एवं देव दीपावली मिलन महोत्सव आयोजित किया। इस दौरान सेनजी महाराज एवं माँ नारायणी सहित परिसर में स्थित भगवान की श्री विग्रहों को अन्नकूट का भोग लगाया गया व प्रसादी वितरित की।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि उपस्थित विधायक श्री विपिन जैन, समाज अध्यक्ष ब्रजेश सेन मारोठिया, समाज के वरिष्ठ नन्दकिशोर राठौर, सत्यनारायण सकवाया, सेन युवा संगठन अध्यक्ष विनोद परिहार, मॉ

नारायणी माता महिला मण्डल अध्यक्ष श्रीमती कलादेवी गंगवाल, सहित समाजजनों ने सेनजी महाराज व माँ नारायणी माता की महाआरती की। महाआरती के पश्चात् भगवान को अन्नकूट का भोग लगाकर प्रसादी सभी समाज बंधुओं ने प्रसादी ग्रहण की। इस अवसर पर अतिथियों का दुपट्टा पहनाकर स्वागत पदाधिकारियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न आयोजनों में सहयोग करने वाले लाभार्थी परिवार श्री राकेशजी मारोठिया, शुभम मारोठिया श्री प्रकाशजी मारोठिया व कमलजी मारोठिया, दीपक मारोठिया आदित्यसेन मारोठिया अनिकेत मारोठिया, श्री महेश परिहार, प्रीतेश परिहार परिवार, जगदीशचन्द्र मारोठिया (अभिनन्दन कॉलोनी), अमित मारोठिया, भगवती सिंह परिहार गडी डॉ. घीसालाल गंगवाल, आशीष गंगवाल, सत्यनारायण सकवाया, शरद सकवाया, दिनेश गहलोत सूर्यश सेन अभिनव धुर्वे नंदकिशोर राठौड़ श्रीमती चंदा डागी मंदिर के व्यवस्थापक ,सत्यनारायण मारोठिया, मागनीराम गंगवाल महेश माली कुणाल कुमावत समाज के कोतवाल भूरालालजी, टेंट के व्यवस्थापक अमन भाई, हलवाई के लच्छू भाई संजय साहू वाल्मीकि समाज के वरिष्ठदरोगा मंगल कोटियान सहयोगी सतीश चनाल राहुल पवार संदीप राठौर ललित कोतली का दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक श्री जैन ने कहा कि सेन समाज भारतीय समाज की प्रमुख कड़ी है। मेरा निवेदन है कि समाजजन स्वयं की उन्नति प्रगति करे, समाज में कुरीतियों सामाजिक बुराई को त्यागें। आपने कहा कि सेन समाज के बिना किसी समाज का काम नहीं चल सकता। व्यक्ति के जन्म, परण और मरण तीनों वक्त सेन समाज बन्धु की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। मंदसौर सेन समाज द्वारा सामाजिक एवं रचनात्मक कार्य प्रशंसनीय है। आपने मंदिर निर्माण हेतु विधायक निधि से 3 लाख रुपए देने की घोषणा की। स्वागत उद्बोधन देते हुए समाज अध्यक्ष श्री मारोठिया ने कहा कि सेन समाज के युवा आज हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रहे है। खेल, शिक्षा, चिकित्सा, समाज सेवा हर जगह सेन बन्धु अपनी अग्रणी भूमिका निभा रहा है। मेवाडा सेन समाज द्वारा हर त्यौहारों को उत्साह पूर्वक मनाया जाता है। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर कमल बी मारोठिया, महेश चौहान, जगदीशचन्द्र मारोठिया सांईकृपा, प्रकाश मारोठिया, नन्दकिशोर गेहलोद, ईश्वरलाल गंगवाल, कोदर सेन बानीखेडी, मगनीराम गंगवाल, अशोक चौहान, दिनेश गेहलोद, अजय सेन जवासिया, राकेश मारोठिया, जगदीश सेन नारायणगढ़, महेश परिहार, मुकेश सेन रानाखेडा, अंकुश मारोठिया, शरद सकवाया। सेन युवा संगठन के आदित्यसेन मारोठिया, आशीष गंगवाल, दीपक परिहार, सत्यनारायण मारोठिया, महेश गेहलोद, अभिजीत राठौर, दीपक मारोठिया, संजय सकवाया, श्याम सेन, गौरव गेहलोद, अजय मारोठिया, राहुल चोहान, पियुष सकवाया, अक्षय गेहलोद, शैलेन्द्र मारोठिया, शुभम मारोठिया, राहुल मारोठिया, नितेश गंगवाल, अंकित गंगवाल, कुलदीप सेन, सतीश परिहार, आयुष गेहलोद, देव चौहान लक्ष्यराज सेन आदि अनेक समाजजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन महेश परिहार ने किया एवं आभार डॉ. घीसालाल गंगवाल ने माना। उक्त जानकारी आदित्यसेन मारोठिया ने दी।

कैरियर गाइडेंस संबंधी कार्यशाला सम्पन्न

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। हर सेमिनार ज्ञान और अनुभव का खजाना लेकर आते हैं। इसी के मद्देनजर विद्यालय प्रबंधन द्वारा दशपुर विद्यालय में आज दशपुर विद्यालय एवं डेक्स्टर ग्लोबल स्कूल के कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय कैरियर गाइडेंस संबंधित कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्यातिथि श्री परेश लालवानी जो देश के ग्रेजुएट स्कूल ऑफ बिजनेस, आईवीवाय लीग कॉलेज (IVY LEAGUE COLLEGE) के सबसे वरिष्ठ प्रोफेसर तथा प्रसिद्ध वित्तीय विशेषज्ञ व्यवसाय सलाहकार और निपुण चार्टर्ड अकाउंटेंट हैं।

सर्वप्रथम दशपुर विद्यालय की कॉर्डिनेटर श्रीमती रेणुका शुक्ला द्वारा अतिथि परिचय एवं स्वागत भाषण दिया गया। इसके पश्चात विद्यालय प्राचार्य प्रिंस वी थॉमस एवं सुपरवाइजर श्री हाकिम प्रसाद शर्मा द्वारा अतिथियों को फूलों के गुलदस्ते भेंट कर उनका सम्मान किया गया। इसके पश्चात छात्रों को व्यक्तिगत मनोवैज्ञानिक करियर परामर्श दिया गया। जिसमें 11वीं एवं 12वीं में अध्ययन रत छात्रों को विषय से संबंधित कैरियर की पूरी जानकारी प्रदान की गई। आपके द्वारा कॉमर्स, विज्ञान संकाय एवं कला संकाय के छात्र छात्राओं को उनके केरियर संबंधी सारी जानकारी दी गई एवं साथ ही साथ विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं को भी शांत कर उन्हें संतुष्ट किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य प्रिन्स वी थॉमस, संस्था सुपरवाइजर श्री हाकिमप्रसाद शर्मा सहित समस्त विद्यालयीन परिवार उपस्थित था।

बेशकीमती सरकारी जमीन कोड़ियों के दाम बेची

दो साल बाद चेता प्रशासन बनाया पंचनामा, सुवासरा के एक व्यक्ति ने कर रखा था जमीन पर कब्जा, किशोरपुरा के सरपंच को बेची जमीन

सुवासरा, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सुवासरा चोपाटी पर एक व्यक्ति ने करोड़ों रुपए मूल्य की बेशकीमती जमीन पर पहले कब्जा किया और बाद में उसे कोडियों के भाव बेच दी। वह भी केवल एक अनुबंध पत्र परा जमीन की खरीदी बिक्री 2022 में हुई थी। दो साल बाद शुक्रवार को प्रशासन को इसकी जानकारी मिली। जानकारी के आधार पर प्रशासन ने जमीन का सीमांकन करवाकर उसे अतिक्रमण से छुड़वाया। जल्दी ही तार फेंसिंग कर जमीन को सरकारी भूमि घोषित कर दिया जाएगा।

सुवासरा चौपाटी पर चोमेहला रोड पर रोड से लगी हुई 40 बाय 90 की भूमि को सुवासरा निवासी जोरावरसिंह पिता शिवसिंह राजपूत ने 18 जनवरी 2022 को तहसील के ही ग्राम किशोरपुरा के सरपंच मिठ्ठूसिंह पिता ईश्वरसिंह राजपूत को 8 लाख 51 हजार रुपए में बेच दी थी। इस बात की जानकारी शुक्रवार को एसडीएम शिवानी गर्ग को मिल गई। शुक्रवार शाम सात बजे वे मौके पर पहुंची। उनके साथ तहसीलदार मोहित सिनम सहित राजस्व विभाग के अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। एसडीएम ने तहसीलदार से जमीन की जानकारी ली और सीमांकन करने के निर्देश दिए। इसके बाद शनिवार को तहसीलदार सिनम, पटवारी कैलाशचंद सूर्यवंशी सहित राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी मौके पर पहुंचे और जीमन पर सीमांकन कर पंचनामा बनाया।

लंबे समय से था कब्जा–जमीन बेचने वाले जोरावरसिंह ने जो अनुबंध पत्र तैयार करवाया उसमें लिखा यह कि 40 बाय 90 (3600 वर्ग फीट) भूमि पर उनका कब्जा था। अत: अपने कब्जे की भूमि को उन्होंने मिठ्ठूसिंह को बेचा है। यह भी लिखा कि यदि इस अनुबंध या जमीन पर उनके वारिसान की कोई आपत्ति नहीं रहेगी। यदि किसी ने आपत्ति की भी तो अनुबंध के आधार पर वह निष्प्रभावी रहेगी। यही नहीं उन्होंने यह भी लिखा कि यदि इस जमीन को लेकर किसी प्रकार का वाद विवाद निकलता है तो उसे निपटाने की पूरी जिम्मेदारी भी उन्हीं की होगी।

एसडीएम ने लगाई लताड़–सूत्रों की माने तो शनिवार को जब एसडीएम गर्ग मौके पर पहुंची तो वहां जमीन की खरीद फरोख्त करने वाले भी पहुंच गए थे बताया जाता है कि एसडीएम ने उनसे इस मामले में पूछताछ भी की और सरकारी जमीन की खरीद फरोख्त करने पर उनको जमकर लताड़ लगाई।

लगेगा सरकारी बोर्ड–जमीन पर अतिक्रमण किया गया था। जमीन सरकारी है। उसका शनिवार को सीमांकन किया गया है। सोमवार को उस जमीन पर तार फेंसिंग करवाकर उस पर सरकारी भूमि होने का नोटिस बोर्ड लगा दिया जाएगा।

मोहित सिनम
तहसीलदार सुवासरा

बिजली विभाग का कर्जदार बना किसान

दो माह में 1850 कनेक्शन काटे, बिजली कंपनी का 12 करोड़ रूपए बकाया

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। बिजली कंपनी के कर्ज तले किसान दबा हुआ है। यह बात आंकड़े बयां कर रही है। जिले के 27 हजार 737 किसानों पर कंपनी के 12 करोड़ रुपए बाकी है। इधर अब विद्युत वितरण कंपनी ने भी सख्ती शुरू कर दी है। 2 माह में ही 1850 कनेक्शन काटे जा चुके हैं।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के जिले में घरेलू, कमर्शियल, औद्योगिक, कृषि जैसी सभी प्रकार की श्रेणी मिलाकर 3 लाख से अधिक बिजली कनेक्शन हैं। इनमें से केवल कृषि कनेक्शन वाले किसानों की तादाद 1 लाख 15 हजार है। कंपनी ने पिछले दिनों ही जिले के पांचों विकासखंडों मंदसौर, सीतामऊ, मल्हारगढ़, गरोठ व भानपुरा स्थित केंद्रों के बकायादारों की सूची निकाली थी। इसमें सामने आया था कि 6 माह से लेकर 3 साल तक की अवधि में जिले में 27 हजार 737 किसानों ने बिजली बिलों का भुगतान नहीं किया। ये बकाया राशि 12 करोड़ रुपए से अधिक हो चुकी है। चेताने के बाद भी भुगतान न करने पर कंपनी ने प्रारंभिक तौर पर 1890 कनेक्शन काट दिए हैं। बैंकों के जरिए अब तक 1240 खातों से ट्रांजेक्शन रोकने जैसी कार्रवाई की है। इधर किसानों के लिए चिंता की बात ये है कि रबी सीजन में भी बिजली न होने की परेशानी बरकरार रहेगी।

बैंक के जरिए भी कार्रवाई–बैंकों के जरिए 1240 किसानों के खातों से लेन-देन रोकने की प्रक्रिया भी कर दी गई ताकि वे किसी तरह से कंपनी को राशि लौटाने को लेकर गंभीर हों। जो लंबे समय से बकायादार हैं उनके खिलाफ अगले दिनों में न्यायालय के जरिए ट्रैक्टर, वाहन समेत अन्य संपत्ति कुर्की जैसी कार्रवाई की भी तैयारी कंपनी ने की है। सख्ती का कारण है कि नोटिस देने के बाद भी अधिकतर बकायादारों ने राशि नहीं चुकाई। संबंधित क्षेत्र के लाइनमैन के जरिए सूचना तक पहुंचाई गई है। इधर बिजली कनेक्शन न होने से रबी सीजन की खेती में भी किसानों को परेशानी आना तय है।

ट्रैक्टर-ट्राली चुराने के आरोपी दो जन गिरफ्तार

नीमच, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सिटी पुलिस ने चोरी के ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। बताया गया है कि 07 नवंबर को बिसलवास बामनिया निवासी फकीरचंद रेगर ने नीमच सिटी थाने पर शिकायत की थी कि वे रोज ट्रैक्टर व ट्रॉली पेट्रोल पंप के सामने खड़ी करते हैं। 06 नवंबर को भी खड़ी की थी। अगले दिन सुबह 7 बजे जाकर देखा तो ट्रैक्टर-ट्रॉली नहीं थी। रात में कोई बदमाश चोरी कर ले गया। मामले में नीमच सिटी थाने पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

जांच के दौरान पेट्रोल पंप पर लगे सीसीटीवी फुटेज तथा तकनीकी जानकारी के आधार पर पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की। आरोपी रामलाल पिता भंवरलाल मेघवाल निवासी राजस्थान तथा महिपाल पिता गोविंदराम भाट को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से चोरी हुए ट्रैक्टर व ट्रॉली को बरामद किया गया।

सरकारी अस्पतालों में निजी डाक्टर्स करेंगे इलाज

मरीजों को फ्री में मिलेगी स्पेशलिस्ट की सुविधा

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से लेकर जिला अस्पताल तक में आयुष्मान योजना के अंतर्गत आने वाले अधिकतर रोगियों का उपचार अब वहीं पर हो जाएगा। उन्हें मेडिकल कालेज या दूसरे बड़े अस्पताल में रेफर करने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इसके लिए राज्य सरकार नीति बना रही है, जिसमें किसी विशेषज्ञता के डाक्टर नहीं होने पर निजी डाक्टर को बुलाया जा सकेगा।

अभी भर्ती होने वाले मरीजों को मिलेगी सुविधा–अभी यह सुविधा मात्र भर्ती होने वाले मरीजों को मिल पाएगी। बाद में ओपीडी मरीजों के लिए भी इसका विस्तार किया जा सकता है। निजी डाक्टरों को उपचार के बदले प्रति विजिट के हिसाब से राशि दी जाएगी। यह राशि आयुष्मान भारत योजना के पैकेज से उपलब्ध कराई जाएगी। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सिविल अस्पताल और जिला अस्पतालों के रोगियों को इसका लाभ मिल सकेगा। प्रदेश की लगभग 75 प्रतिशत जनसंख्या आयुष्मान योजना की परिधि में है, जिन्हें इसका लाभ मिल सकेगा।

अस्पतालों में विशेषज्ञ डाक्टरों की कमी–बता दें कि मंदसौर के अलावा प्रदेश में आधे से अधिक सिविल अस्पताल और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में सभी विषय के विशेषज्ञ नहीं हैं। ऐसे में मरीज को भर्ती ही नहीं किया जाता। उदाहरण के तौर पर हड्डी का डॉक्टर है, लेकिन एनेस्थीसिया का नहीं है तो सर्जरी नहीं हो सकती। अब एनेस्थीसिया का निजी विशेषज्ञ बुलाया जा सकेगा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पांच तरह के विशेषज्ञ होने चाहिए।

एक सर्जरी के लिए कई तरह के विशेषज्ञ डाक्टरों की आवश्यकता–सभी सीएचसी में सीजर डिलीवरी की सुविधा होनी चाहिए। इसके लिए स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, शिशु रोग विशेषज्ञ और एनेस्थीसिया विशेषज्ञ होना जरूरी है। किसी एक के भी नहीं होने से सीजर डिलीवरी नहीं हो पाती।

लिपिकवर्गीय कर्मचारी लेखा प्रशिक्षण के लिए 20 तक करें आवेदन

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिला कोषालय अधिकारी द्वारा बताया गया कि मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय एवं नगर निगम, नगर परिषदों के लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए विभागीय लेखा प्रशिक्षण सत्र एक दिसम्बर 2024 से 15 फरवरी 2025 (दस सप्ताह) तक लेखा प्रशिक्षण शाला उज्जैन में आयोजित किया जा रहा है। जिला कोषालय अधिकारी नेहा कलचुरी ने सभी जिला अधिकारियों को उनके अधीनस्थ कार्यालयों में पदस्थ अप्रशिक्षित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के आवेदन पत्र निर्धारित प्रारूप में संबंधित कार्यालय प्रमुख के कवरिंग लेटर के साथ सीधे प्राचार्य, लेखा प्रशिक्षण शाला, उज्जैन, रघुवंशम भवन इस्कॉन मंदिर के पास भरतपुरी, उज्जैन (म.प्र.) को प्रेषित करने के निर्देश दिए है।

प्रशिक्षण के लिए पात्रता- लिपिकवर्गीय कर्मचारी की नियमित सेवा अवधि एक वर्ष पूर्ण होना अनिवार्य है। सेवा शर्त के अनुक्रम में म.प्र.शासन शीघ्रलेखन तथा मुद्रलेखन परीक्षा परिषद से हिंदी मुद्रलेखन, परीक्षा, एम.पी.एस.ई.डी.सी.से सी.पी.सी.टी.परीक्षा उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। यदि विभागीय भर्ती नियमों में हिंदी मुद्रलेखन परीक्षा उत्तीर्ण करने से छूट प्रदान की गई हो, तो तत्संबंधी कार्यालय प्रमुख का प्रमाण पत्र संलग्न किया जाना अनिवार्य होगा। मध्यप्रदेश शासन के नियमित लिपिकवर्गीय कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण शुल्क देय नहीं है, जबकि अर्द्धशासकीय, निगम एवं मण्डल कार्यालयों में पदस्थ नियमित पात्र कर्मचारियों को प्रशिक्षण हेतु नामांकित होने पर राशि रूपये 2000/- प्रशिक्षण शुल्क लेखाशीर्ष 0070-60-800-0000 अन्य प्राप्तियाँ में जमा करना अनिवार्य होगा। आवेदन पत्र 20 नवम्बर 2024 को शाम 5 बजे तक प्राप्त हो जाना चाहिए। प्रस्तावित प्रशिक्षण सत्र में क्षमता से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर शासकीय विभाग के लिपीकीय सेवकों को प्राथमिकता दी जाएगी। तत्पश्चात निगम, मण्डल के कर्मचारियों को आवेदन पत्र प्राप्ति की वरियता अनुसार (प्रथम आओं प्रथम पाओं के सिद्धांत पर) आवेदन स्वीकार किये जावेंगे एवं शेष आवेदकों को आमागी सत्र में प्राथिमकता दी जावेगी। लेखा प्रशिक्षण शाला में प्रवेश एवं परीक्षा तथा अग्रिम वेतनवृद्धि के संबंध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी नियम, निर्देश मान्य होंगे।

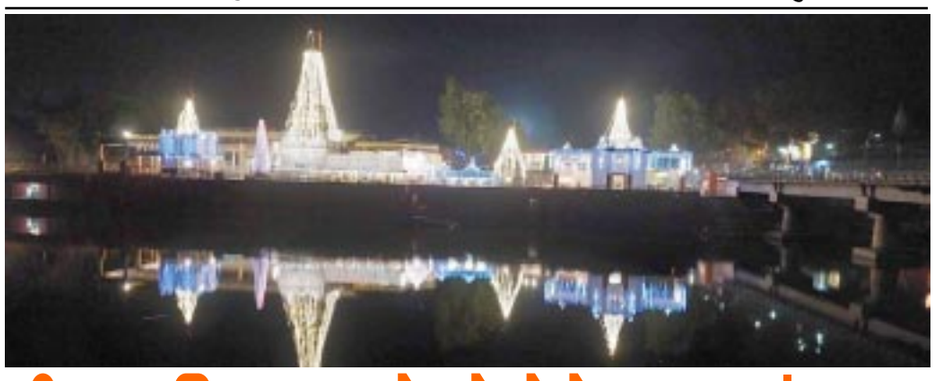

श्री पशुपतिनाथ महादेव के मेले का शुभारंभ कल

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। पवित्र नगरी मंदसौर में भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के प्रतिवर्षानुसार आयोजित होने वाले भव्य मेले का आयोजन इस वर्ष 12 नवंबर से 1 दिसंबर तक होगा। मेले का शुभारंभ भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव के पाटोत्सव के साथ मंगलवार को प्रात: 10:00 बजे श्री पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में किया जाएगा।

इस संबंध में जानकारी देते हुए नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर, उपाध्यक्ष श्रीमती नम्रता प्रीतेश चावला, मेला सभापति श्रीमती भावना जयप्रकाश पमनानी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री सुधीर कुमार सिंह और मेला अधिकारी श्री पीएस धारवे ने बताया कि पाटोत्सव एवं भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव महादेव मेला शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा होंगे। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, जिला भाजपा अध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, विधायक श्री विपिन जैन, पूर्व विधायक श्री यशपाल सिंह सिसोदिया, पूर्व मंत्री श्री कैलाश चावला, भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष श्री अरविंद सारस्वत एवं श्री अजय आसेरी रहेंगे। मेले में सांस्कृतिक मंच पर 12 नवंबर से 1 दिसंबर के बीच भजन संध्या, फिल्मी कलाकार नाइट्स, कॉमेडी नाइटस, टीवी कलाकार नाइट्स, फिल्मी गायक नाइट, स्थानीय कलाकार और बच्चों के कार्यक्रम, कुश्ती प्रतियोगिता, वॉलीबॉल प्रतियोगिता, बॉडीबिल्डिंग प्रतियोगिता, अखिल भारतीय कवि सम्मेलन सहित अन्य कार्यक्रम भी होंगे। नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर ने नगरवासियों से शुभारंभ कार्यक्रम में सहभागिता की अपील की है।

आरक्षक नरेंद्र बिलवाल रतलाम से गिरफ्तार

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। नीमच में दो दिन पहले मंदसौर के निलंबित आरक्षक ने कियोस्क संचालक से 9 हजार रुपए की ठगी की थी। संचालक की शिकायत कैंट पुलिस ने आरक्षक नरेंद्र बिलवाल केस दर्ज किया। मामले में शनिवार को कैंट पुलिस ने आरोपी आरक्षक को रतलाम जिले के नामली गिरफ्तार किया। बताया जा रहा आरोपी वहां भी ठगी करने की फिराक में था। उससे पहले ही पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। मंदसौर में पदस्थ आरक्षक नरेंद्र बिलवाल आए दिन लोगों को बहला-फुसलाकर ठगी को अंजाम दे रहा था। इसे लेकर बीते दिनों फरियादी की शिकायत पर मंदसौर एसपी ने उसको निलंबित कर दिया। इसके बाद आरोपी ने नीमच जिले में पहुंचकर एक कियोस्क संचालक नितेश साहू को शिकार बनाया और से 9 हजार रुपए अपने खाते में ट्रांसफर करवा लिए। फिर वहां से रफूचक्कर हो गया। आरक्षक की यह वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। ठगी का शिकार हुए युवक ने एसपी को आवेदन दिया। जांच के बाद कैंट पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। इसके पहले मंदसौर में भी एक व्यसायी को इसी तरह से धोखेबाजी का शिकार बनाया। जिसके बाद उसे निलंबित किया गया था। मामले में पुलिस को सूचना मिली कि आरक्षक नरेंद्र बिलवाल रतलाम जिले के नामली में देखा गया है। सूचना पर कैंट पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरक्षक को गिरफ्तार कर लिया।

गायों का पूजन कर लाप्सी खिलाई

मनासा, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। गौपाष्मी पर गोवर्धन गौशाला पर कसेरा समाज के स्व: भंवरलाल कसेरा, महेश कसेरा श्रीमती उषा देवी कसेरा की स्मृति में वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश कसेरा द्वारा गौशाला में गायो का पूजन कर सवा पाँच क्विंटल की लापसी गायो को खिलाई गयी। इस अवसर परकसेरा समाज अध्यक्ष रामप्रसाद कसेरा पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष,, वरिष्ठ समाजसेवी गौविन्द कसेरा, कैलाश कसेरा, गिरीराज कसेरा, अनील कसेरा, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती शशि कसेरा सहित सभी समाजजनों की उपस्थिति मे गौपाष्मी पर गायो का पूजनकर लापसी खिलाई व चारा डाला गया।

प्रदेश के नर्सिंग कालेजों में थी 45 हजार सीटें, इस साल 6 हजार से भी कम पर होगा एडमिशन

भोपाल, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सीबीआई और हाई कोर्ट द्वारा गठित उच्च स्तरीय जांच समिति के परीक्षण में भले ही लगभग 175 नर्सिंग कॉलेज मान्यता के योग्य पाए गए हैं। पर सख्ती के चलते कई कॉलेज संचालक हाथ खींच रहे हैं। उन्होंने मान्यता के लिए आवेदन ही नहीं किया है, मान्यता नवीनीकरण के लिए लगभग 300 आवेदन आए थे, जिनमें 125 के करीब ही मान्यता योग्य बताए जा रहे हैं।

सीटों की बात करें तो इन 125 कॉलेजों में जीएनएम (डिप्लोमा पाठ्यक्रम) और बीएससी (नर्सिंग) मिलाकर लगभग छह हजार सीटें ही हैं। जबकि, वर्ष 2020 के बाद एक समय ऐसी स्थिति थी कि प्रदेश में 670 नर्सिंग कॉलेजों में 45 हजार तक सीटें थीं। यह कॉलेजों और सीटों की अब तक की सर्वाधिक संख्या रही। सीटें कम होने का बड़ा नुकसान नर्सिंग पाठ्यक्रम में प्रवेश की तैयारी कर रहे युवक-युवतियों का होगा।

नहीं खोला जाएगा नया कालेज

मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल के अधिकारियों ने बताया कि एक-दो दिन के भीतर मान्यता जारी होने की उम्मीद है। राज्य सरकार ने तय किया है वर्ष 2023 की तरह इस वर्ष भी कोई नया कॉलेज नहीं खोला जाएगा, सिर्फ पहले से संचालित कॉलेजों को ही मान्यता दी जाएगी। नवीनीकरण के लिए कॉलेजों से आवेदन मांगे गए थे, जिनके परीक्षण का काम लगभग पूरा हो गया है।

मान्यता नवीनीकरण सूची जारी होने के बाद एमपी ऑनलाइन से प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो जाएगी। प्रवेश के लिए कर्मचारी चयन मंडल पहले ही प्रवेश परीक्षा आयोजित कर चुका है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय के अधिकारियों ने बताया कि दिसंबर में प्रवेश प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी।

बंद हो जाएंगे 350 कालेज...

बता दें, लॉ स्टूडेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष विशाल बघेल ने नर्सिंग कॉलेजों के संचालन में मापदंड को लेकर हाई कोर्ट में याचिका लगाई थी। कुछ कॉलेजों का फर्जीवाड़ा मध्य प्रदेश नर्सिंग काउंसिल ने पकड़ा। हाई कोर्ट ने अपात्र कॉलेजों को बंद करने के निर्देश दिए। इस तरह लगभग 200 कॉलेज बंद हो गए।

अभी 485 कॉलेज संचालित हो रहे हैं। इनमें लगभग 350 बंद हो जाएंगे। क्योंकि, वे मान्यता के लिए जरूरी सुविधाओं के पैमाने पर खरे नहीं उतर रहे। आगे भी यही स्थिति रही तो प्रदेश की आवश्यकता के अनुसार नर्सिंग कर्मचारी निजी एवं सरकारी अस्पतालों को नहीं मिल पाएंगे।

प्रशासन एवं पुलिस की टीम ने की कार्रवाई...

अवैध उत्खनन पर चार ट्रेलर एवं एक पोकलेन मशीन जप्त

नीमच, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा के मार्गदर्शन में रविवार को तहसीलदार जीरन श्री नवीन गर्ग के नेतृत्व में राजस्व पुलिस एवं खनिज विभाग की टीम ने ग्राम हरनावदा के मजरा गोविंदपुरा में अवैध उत्तखनन की जानकारी मिलने पर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों की टीम मौके पर पहुंची। प्रशासनिक टीम को मौके पर देखकर अवैध उत्खनन करने वाले अधिकारियों की गाड़ी को देखकर भाग गए। टीम ने मौके पर से चार ट्रेलर व एक पोकलेन मशीन जप्त कर खनिज अधिकारी श्री गजेंद्र डाबर की सुपुर्दगी में दी है। मौके पर तहसीलदार नवीन गर्ग, थाना प्रभारी मनोज जादौन के साथ जीरन का पुलिस बल, पटवारी नवीन तिवारी व राधेश्याम सोनगरा उपस्थित थे।

स्वर्णकार समाज का समागम कल

सामूहिक विवाह सम्मेलन व तुलसी विवाह समारोह की तैयारियां अंतिम चरणों में, स्वागत में सज रहा है पाण्डाल

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज जनकूपुरा पंचायत मंदसौर द्वारा 19वां सामूहिक विवाह सम्मेलन व तुलसी विवाह समारोह की तैयारियां अंतिम चरणों में है। समाज के वरिष्ठजनों के मार्गदर्शन में जोर शोर से की जा रही है। कल 12 नवम्बर 2024, मंगलवार को देवउठनी एकादशी पर सरस्वती विद्या मंदिर के सामने संजीत रोड़, मंदसौर पर देश के विभिन्न क्षेत्रों से आने वाले समाजजनों का समागम मंदसौर में होगा। 10 नवम्बर को समाजजनों ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर तैयारियों का जायजा लिया। कार्यक्रम स्थल पर दुल्हा-दुल्हन हेतु विशेष 30 कक्ष बनाये गये है। भोजन शाला, मंच एवं पार्किंग व्यवस्था सहित अन्य सुविधाएं जुटाई गई है जिससे कार्यक्रम भव्य हो सके।

निरीक्षण के दौरान सामूहिक विवाह समिति के संरक्षक, स्वर्णकलाबोर्ड के सदस्य एवं समाज के जिलाध्यक्ष अजय सोनी कॉलोनाईजर, सामूहिक विवाह समिति व जनकूपुरा पंचायत के अध्यक्ष विजय सोनी मेलखेड़ावाला, उपाध्यक्ष भवानीशंकर सोनी मिड इंडिया, रामचन्द्र सोनी धुंधड़कावाला, कोषाध्यक्ष मनोहरलाल सोनी रतलाम ज्वेलर्स, सचिव जगदीश सोनी अठाना वाला व सहसचिव जितेन्द्र कुमार सोनी धुंधड़कावाला ने बताया कि देशभर से समाजजन एक महाकुंभ में पहुंचेंगे। सभी को कोई असुविधा न हो इसके लिये पूरे प्रयास किये जा रहे है। समाज का हर व्यक्ति इस कार्यक्रम में बढ़चढ़कर अपनी सहभागिता कर रहा है। इस सम्मेलन की विशेषता है कि इसमें दुल्हन पक्ष से कोई राशि नहीं ली गई है तथा हर जोड़ों को समिति द्वारा उपहार भी प्रदान किये जायेंगे। यह होंगे आयोजन - कल 12 नवम्बर को प्रात: 9 बजे गणपति स्थापना, प्रात: 10 बजे समाज का प्रीतिभोज, प्रात: 10.30 बजे तुलसी विवाह बोली, दोप. 12.30 बजे सम्मेलन स्थल सम्मेलन स्थल से श्री चारभुजानाथ भगवान की बारात, दोप. 12.45 बजे तोरण, दोप. 1.15 बजे पाणिग्रहण संस्कार होगा उसके पश्चात 21 कन्याओं का नि:शुल्क सामूहिक विवाह एवं तुलसी विवाह समारोह आयोजित होगा। इनका मिलेगा आशीर्वाद- सम्मेलन में वर-वधू को आशीर्वाद हेतु मुख्य अतिथि के रूप में म.प्र. शासन के उपमुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा, राज्यसभा सांसद श्री बंशीलाल गुर्जर, लोकसभा सांसद श्री सुधीर गुप्ता, म.प्र. स्वर्णकला बोर्ड अध्यक्ष कैबिनेट मंत्री दर्जा श्री दुर्गेश सोनी रेहटी, विधायक श्री विपिन जैन, नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी गुर्जर, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री नानालाल अटोलिया, भोपाल विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष श्री कृष्णमोहन सोनी, भोपाल, पूर्व विधायक श्री यशपालसिंह सिसौदिया, म.प्र. शासन के संसदीय सलाहकार श्री देवेन्द्र वर्मा भोपाल व विशिष्ट अतिथि के रूप में अ.भा. श्री मेढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जगदीश मायछ हैदराबाद, राष्ट्रीय महामंत्री श्री दुलीचन्द सोनी पिपाड़ सहित समाज के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे। सामूहिक विवाह समिति समाजजनों से सामाजिक गरिमामय कार्यक्रम में सपरिवार उपस्थित होकर वर वधु को आशीर्वाद देने की अपील की है।

पंजीकृत निर्माण श्रमिक भी ले सकेंगे आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का लाभ

मंदसौर, 10 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। म. प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल भोपाल अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिक एवं उनके परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाये जा रहे है। आयुष्मान कार्ड बनाने हेतू अपनी ग्राम पंचायत में या नजदीकी उडउ सेंटर अथवा आशा कार्यकर्ता से संपर्क कर अपना आयुष्मान कार्ड बनवा सकते है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (अइझचगअध) के तहत शासकीय अथवा निजी अस्पतालों में 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार प्राप्त कर सकेंगे। आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आवश्यक दस्तावेज आधार कार्डएवं समग्र आई डी की छायाप्रति लेकर जाना अनिवार्य है। जिले में लगभग 126300 निर्माण श्रमिको एवं उनके परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके है। आयुष्मान कार्डधारी निर्माण श्रमिक एवं परिवार आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजनाके तहत शासकीय अथवा निजी अस्पतालों में 5 लाख तक का नि:शुल्क उपचार प्राप्त कर सकेंगे।

आवश्यकता है

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की प्रिंटिंग यूनिट पर रात्रि के समय 11 से 3 बजे तक काम करने वाले युवक (हेल्पर) की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार (मंदसौर निवासी ही सम्पर्क करें)

संपर्क

संपर्क समय- शाम 4 से 6 बजे तक

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

9425105928. 8319964648

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in